प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जीवन में महत्वपूर्ण चीज विजय नहीं, संघर्ष है। मुख्य बात जीतना नहीं, बल्कि अच्छी तरह जूझना है।
बिल गेट्स

वर्ष-04, अंक - 52 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव की चर्चा हो रही तेज

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजस्थान कांग्रेस में जारी घमासान के बीच कांग्रेस नेता ने खुशी की वजह भी ढूंढ ली है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल दावा किया कि, राजस्थान में जो कुछ भी चल रहा है वो एक-दो दिन में सब साफ हो जाएगा। हालांकि इस दौरान केरल के कांग्रेस नेता ने कहा कि राजस्थान की वजह से मीडिया पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की चर्चा तो कर रहा है। कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने आगे कहा कि राजस्थान में कोई ड्रामा नहीं चल रहा है। वेणुगोपाल ने कहा, मीडिया भले ही इसे नाटक के रूप में देख सकता है लेकिन कम से कम आप कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव पर चर्चा तो कर रहे हैं। हम इसे बहुत लोकतांत्रिक तरीके से कर रहे हैं, यह दो दिनों में आसानी से समाप्त हो जाएगा।

वही सूत्रों के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि, अभी समय तय नहीं है लेकिन मुख्यमंत्री बुधवार दोपहर नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे और पार्टी आलाकमान से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि, गहलोत पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे या नहीं, यह आलाकमान के साथ बैठक के बाद ही स्पष्ट होगा।

इससे पहले कांग्रेस की राजस्थान इकाई में उत्पन्न राजनीतिक संकट के बीच पार्टी पर्यवेक्षकों ने मंगलवार को 'घोर अनुशासनहीनता के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की और इसके कुछ देर बाद ही पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की ओर से इन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर दिये गए। राजस्थान सरकार कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल एवं महेश जोशी तथा राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी कर 10 दिनों के भीतर यह बताने को कहा गया है कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

दिग्विजयसिंह दाखिल करेंगे नामांकन

कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में लगातार नए नाम जुड़ते जा रहे हैं। अब मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का नाम भी इस रेस में शामिल हो गया है। वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे।कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि फिलहाल राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल दिग्विजय सिंह गुरुवार शाम तक दिल्ली लौट आएंगे और शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगे। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या दिग्विजय सिंह को गांधी परिवार का समर्थन है। फिलहाल अशोक गहलोत चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इसे लेकर तस्वीर साफ नहीं है। वहीं शशि थरूर साफ कर चुके हैं कि 30 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे वह अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे।

तीन महीने के लिए बढ़ी मुफ्त राशन की स्कीम

केंद्रीय कर्मचारियों को भी मिला दिवाली गिफ्ट

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने देश की गरीब आबादी को बड़ी राहत देते हुए मुफ्त राशन देने की स्कीम को तीन महीने और बढ़ाने का फैसला लिया है। यह स्कीम 30 सितंबर को समाप्त होने वाली थी। इससे पहले सरकार ने स्कीम को तीन महीने यानी इस वर्ष के अंत तक के लिए बढ़ाने का फैसला लिया है। बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा केंद्रीय कर्मचारियों को भी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में भी 4 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक तीन महीने तक मुफ्त राशन की स्कीम को आगे बढ़ाने से खजाने पर 45 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि, केंद्र सरकार ने अपने पास जमा खाद्यान्न के स्टॉक की समीक्षा करने के बाद यह फैसला लिया है। फिलहाल सरकार के पास बड़े पैमाने पर खाद्यान्न उपलब्ध है। इससे पहले चर्चाएं थीं कि शायद मुफ्त राशन की स्कीम को अब बंद कर दिया जाएगा, लेकिन इस फैसले को राजनीतिक लिहाज से भी देखा जा रहा है।

अगले तीन महीनों में गुजरात और हिमाचल में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में स्कीम को तीन महीने के लिए बढ़ाने के फैसले को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। कोरोना काल में केंद्र सरकार की ओर पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के नाम से इस स्कीम का ऐलान किया गया था। इसके तहत हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त राशन दिया जाता है।

80 करोड़ लोगों को मिल रहा फायदा

मुफ्त राशन स्कीम का फायदा देश के करीब 80 करोड़ गरीब लोगों को मिल रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत इतना ही राशन सब्सिडी पर पहले से मिलता रहा है, लेकिन पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाला राशन इससे अलग है। बता दें कि कोरोना काल में लॉकडाउन से प्रभावित लोगों की मदद में इस योजना को अहम माना गया था।

कोर्ट ने गैरकानूनी बताते हुए खारिज की ममता सरकार की दुआरे राशन योजना

कोलकाता, एजेंसी।

कलकत्ता हाई कोर्ट से पश्चिम बंगाल की ममता बेनर्जी सरकार को झटका लगा है। हाई कोर्ट ने नेशनल फूड सिक्योरिटी ऐक्ट के तहत ममता सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'दुआरे राशन' को गैरकानूनी करार दिया है। एक वर्ष पहले ममता बेनर्जी ने इस योजना का उद्घाटन किया था जिसके राशन कार्ड धारकों के घर पर ही राशन की डिलिवरी की जाती थी।

ममता सरकार का दावा था कि, इस योजना का लाभ 10 करोड़ लगों को मिलेगा और घंटों तक राशन की लइन में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। 11 सितंबर को ही इस मामले की सुनवाई पूरी हो गई थी लेकिन हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। विधानसभा चुनाव से पहले भी टीएमसी ने इस योजना को अपने घोषणापत्र में शामिल किया था। हालांकि कुछ राशन डीलरों ने इसे कानून के खिलाफ बताया था और अदालत का रुख किया था।

डीलरों का कहना था कि, यह योजना कानून के विपरीत है। क्योंकि इस योजना के लिए राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं नहीं हैं। ममता सरकार की तरफ से कहा गया था कि, डीलरों को वाहन ले जाकर एक जगह खड़ा करना होगा और 500 मीटर के दायरे में आए वाले घरों में वितरण करना होगा। वहीं जो कर्मचारी इसमें लगेंगे उनकी आधी सैलरी राज्य सरकार देगी।

पीएफआई के समर्थन में उतरे असद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, एजेंसी।

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ने पीएफआई का समर्थन करते हुए कहा है कि, अगर कुछ लोगों की गलत गतिविधि की वजह से संगठन को बैन किया जाता है तो यह खतरनाक है। उन्होंने इस फैसले को तानाशाही करार दिया है। उन्होंने कहा, कट्टरपंथी सोच का हम हमेशा से विरोध करते आए हैं लेकिन इस तरह का प्रतिबंध बिल्कुल गलत है। इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। ओवैसी ने कहा कि दक्षिणपंथी संगठनों पर बैन कब लगेगा। ऐसे संगठनों को क्यों संरक्षण दिया जा रहा है?

पीएफआई का समर्थन करने वाले ओवैसी अकेले ही नहीं हैं। एआईयुडीएफ विधायक रफीकुल इस्लाम ने भी प्रतिबंध का विरोध किया और कहा कि, सरकार को यह कार्रवाई करने से पहले जांच करानी चाहिए थी। इसके अलावा सरकार को आरएसएस, बजरंग दल और वीएचपी की भी जांच करने का आदेश देना चाहिए। आरएसएस के खिलाफ कार्रवाई की बात कांग्रेस नेता के सुरेश ने भी कही है। इसके असावा आरजेडी चीफ और बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने भी कहा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल चौहान होंगे देश के अगले सीडीएस

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) को अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में नियुक्त किया है। पिछले वर्ष हेलिकॉप्टर हादसे में जनरल बिपिन रावत के निधन के बाद से ही यह पोस्ट खाली पड़ी थी। जिसके बाद अब करीब 10 महीने बाद सरकार ने अगले सीडीएस की नियुक्ती की है। रावत देश के पहले सीडीएस भी थे।

रक्षा मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आदेश में कहा गया है कि, भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) को अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में नियुक्त किया। वे भारत सरकार में सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे।

आतंकवाद पर भारत ने पाकिस्तान को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के लिए पाकिस्तान की आलोचना करते हुए भारत ने कहा कि, दुनिया को ऐसे देश से लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर सबक लेने की जरूरत नहीं है, जिसका आतंकवाद के वैश्वीकरण में अद्वितीय योगदान है। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 51 वें सत्र में सामान्य बहस में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव सीमा पुजारी ने कहा, यह विडंबना है कि पाकिस्तान, जिसकी नींव सांप्रदायिक विचारधाराओं पर रखी गई थी वह सांप्रदायिक और धार्मिक असहिष्णुता की बात करती है।

सीमा पुजारी ने कहा, दुनिया को ऐसे देश से लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर सबक लेने की जरूरत नहीं है, जिसका आतंकवाद के वैश्वीकरण में योगदान अद्वितीय है। पाकिस्तान द्वारा दिए गए बयान के जवाब में भारतीय राजनयिक ने कहा कि यह शुद्धतावाद के जुनून में पाकिस्तान ने शिया, अहमदिया, इस्माइली और हजारा सहित अपने खुद के अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया है। रोजाना सांप्रदायिक हिंसा और भेदभाव होता है।

मुलायम और आजम के बिना आयोजित हुआ सपा का सम्मेलन

लखनऊ।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और मुस्लिम चेहरे आजम खान के बिना शायद पहली बार समाजवादी पार्टी का राज्य सम्मेलन लखनऊ में बुधवार को हुआ। इस दौरान सपा ने एकमत से नरेश उत्तम पटेल को एक बार फिर से पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया, जो 2017 के बाद से ही इस पद पर हैं। अखिलेश यादव के करीबी नरेश उत्तर पटेल कुर्मी समुदाय से आते हैं और उन्हें यह जिम्मेदारी देकर अखिलेश यादव गैर-यादव पिछड़ों को भी जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। इस दौरान अखिलेश यादव ने 2019 के आम चुनाव और इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार का भी जिक्र किया।

अखिलेश बोले कि, बसपा से गठबंधन के लिए हमने त्याग भी किया था। उन्होंने कहा कि, हमने पूरी ताकत से चुनाव लड़ा, लेकिन भाजपा ने मशीनरी का गलत इस्तेमाल करके जीत हासिल कर ली। उन्होंने कहा कि, इन नतीजों से भी यह पता चला है कि अकेले सपा में ही यह ताकत है कि वह भाजपा को चुनौती दे सकती है। किसी और दल में इतनी ताकत नहीं है। रमाबाई आंबेडकर मैदान में हुए 9वें राज्य सम्मेलन में अखिलेश यादव ने 2019 के आम चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि, समाजवादियों ने पूरी ताकत लगा दी थी। राम मनोहर लोहिया और भीमराव आंबेडकर के सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हुए बहुजनवादियों से एकता भी की गई। हमने इसके लिए त्याग भी किया। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने हर चीज का बेजा इस्तेमाल किया और हमें हार का सामना करना पड़ा।

दिल्ली में इलाज करा रहे मुलायम और आजम खान

यह शायद पहला मौका था, जब सपा के इतने अहम आयोजन से मुलायम सिंह यादव और आजम खान दोनों ही दूर रहे। दोनों नेता फिलहाल दिल्ली में हैं और अपना इलाज करा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि, 2022 में भी समाजवादी पार्टी ने भाजपा को हटाने के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को साथ लेकर गठबंधन बनाया था। लेकिन हम जीत नहीं सके। लेकिन इसके बाद भी मैं यह कह सकता हूं कि 2019 और 2022 में हमारे कार्यकर्ताओं ने जिस तरह से काम किया है, उससे साफ है कि अकेले सपा में ही यह ताकत है कि वह भाजपा को टक्कर दे सके।

बसपा संग गठबंधन से मिली थी निराशा, 2022 में भी लगा झटका

2019 के आम चुनाव में सपा और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। तब गठबंधन को 15 सीटें मिली थीं, लेकिन बीएसपी के खाते में 10 गईं और सपा को 5 पर ही जीत हासिल हुई थी। यहीं से दोनों दलों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई थी और अंत में दोनों का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद सपा ने 2022 में रालोद, सुभासपा, महान दल जैसी कई छोटी पार्टियों से गठबंधन किया था। इसके बाद भी भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही।

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार में म.प्र. ने कई कैटेगरी में जीते अवार्ड

भोपाल।

मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार में एक बार फिर अपना परचम लहराया है। पर्यटन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को 8 राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार मिले हैं। यह सभी अवॉर्ड प्रदेश को अलग-अलग कैटेगरी में मिले हैं। प्रदेस को मिली इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुशी जाहिर की है।

दरअसल, नई दिल्ली में हुए समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने पुरस्कार वितरण किया। मध्य प्रदेश की पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर और इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार से मध्य प्रदेश को अवार्ड मिलना गौरवशाली पल है।

वहीं प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है, एमपी टीयूरिस्म राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम करने में हमेशा अग्रणी रहा है, 8 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार टीम के अभिनव और निरंतर प्रयासों का फल हैं, यह खुशी और प्रशंसा का मौका है।

उन्होंने आगे कहा कि, वहीं मध्य प्रदेश पर्यटन की तरफ से लिखा गया कि इस वर्ल्ड टूरिज़्म डे पर, हम 8 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह मध्य प्रदेश को सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक बनाने के लिए हमारे अधिकारियों और हितधारकों के दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

इन केटेगिरी में मिले अवार्ड

सिविक मैनेजमेंट ऑफ ए टूरिस्ट डेस्टिनेशन इन इंडिया (कैटेगरी ए) के लिए देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को पुरस्कार मिला। बेस्ट मेन्टेंड एंड डिसेबल्ड फ्रेंडली मॉन्यूमेंट के लिए शिव मंदिर, भोजपुर को अवॉर्ड मिला।स्वच्छ पर्यटन स्थान-वेस्टर्न रीजन की श्रेणी में पहली बार पुरुस्कार नगर निगम उज्जैन को मिला। बेस्ट एयरपोर्ट-रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए देवी अहिल्या बाई एयरपोर्ट इंदौर को अवॉर्ड मिला। एक्सलेंस इन पब्लिशिंग-हिंदी कैटेगरी के लिए मालवा के भित्ति चित्र को अवॉर्ड मिला। बेस्ट टूरिज्म प्रमोशन पब्लिसिटी मटेरियल के लिए भोपाल ब्रोशर को यह अवॉर्ड मिला। इसके अलावा भी दो अन्य कैटिगरी में एमपी को अवॉर्ड मिला।

यह है नगरपालिका झाबुआ में मतदान के बाद की स्थिति, 30 सितम्बर को ही पता लगेंगे स्पष्ट परिणाम

माही की गूंज, झाबुआ।

नगरीय निकाय चुनावों को लेकर मतदान की प्रक्रिया संपूर्ण हो चुकी है। इसी के साथ प्रत्याशियों ने वोटों का गुणा-भाग लगाना शुरू कर दिया है। हालांकि ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो आने वाली 30 सितम्बर को ही पचा चल पाएगा। मगर मतदान के बाद हर प्रत्याशी अपनी स्थिति भांपने की कोशिश में लगा हुआ है। मुख्य रूप से नगरीय निकाय चुनावों में शामिल दोनों ही राजनीतिक दलों के अपने-अपने दावे है। मगर मैदान में डटे हुए निर्दलीय और बागी अपनी ही ताल ठोकते नजर आ रहे है। कुल मिलाकर यह हो सकता है कि निर्दलीय इस नगरीय निकाय चुनावों में बड़ा उलट फैर कर दे। हालांकि सारे चुनावी समीकरण यह बता रहे है कि, जिले की चार नगरीय निकायों में से अधिकतर पर भाजपा का कब्जा हो सकता है। जिले में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भी जीत को लेकर दावा किया है। उधर झाबुआ विधायक ने भी सभी जगह कांग्रेस के विजय होने का दावा किया है। चुनावी समीकरण को लेकर किए जा रहे दावे कितने सच्चे और कितने झूठे साबित होंगे यह तो आने वाली 30 सितम्बर को ही पता चलेंगे। मगर वार्ड वार स्थिति जो अब तक सामने है वह कुछ ऐसी है।

18 वार्डों में जीत-हार के ऐसे हो सकते है समीकरण

- झाबुआ के वार्ड क्र. 1 में यहां पांच प्रत्याशी मैदान में है, लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में ही देखने को मिलेगा। अब यहां निर्दलीय किसके कितने वोट काटेंगें यह देखने लायक होगा। यहां वार्ड में विकास कार्यों और अन्य मुद्दों को लेकर प्रत्याशियों के बीच हार-जीत तय होना है।

- वार्ड क्र. 2 में तीन प्रत्याशी मुख्य रूप से मैदान में है। यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और निर्दलीय के बीच बताया जा रहा है। भाजपा यहां कमजोर ही साबित हो रही है, क्योंकि यह वार्ड मुस्लिक बाहुल क्षेत्र है।

- वार्ड क्र. 3 में 7 प्रत्याशी मैदान में है, लेकिन मुख्य रूप से चार प्रत्याशी ताल ठोकते नजर आ रहे है। यहां भी मुख्य मुकाबला कांग्रेस और निर्दलीयों के बीच ही माना जा रहा है, लेकिन यहां निर्दलीयों की बदोलत भाजपा भी निकले की संभावना जताई जा रही है। क्योंकि तमाम निर्दलीय प्रत्याशी कांग्रेस का ही वोट काटते नजर आ रहे है। जिसका सीधा फायदा भाजपा को होता दिखाई दे रहा है। यह वार्ड भी मुस्लिम बाहुल क्षेत्र है।

- वार्ड क्र. 4 में इस बार यूं तो 7 प्रत्याशी है, लेकिन यहां मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। सीधे तौर पर यहां कांग्रेस और भाजपा में ही मुख्य मुकाबला है लेकिन पूर्व पार्षद रहे निर्दलीय प्रत्याशी ने यहां पैंच डाल दिया है। हालांकि यहां भी तीनों प्रत्याशियों के अपने -अपने दावे है, लेकिन परिणाम अभी समय के गर्त में है। हालांकि यह वार्ड अभी कांग्रेस के पक्ष में माना जा रहा है। इस वार्ड में फर्जी मतदान को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक और कांग्रेस के प्रवक्ता साबिर फिटवेल के बीच तीखी नौक-झौक देखने को मिली पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से मामला शांत हो पाया।

- वार्ड क्र. 5 में भी त्रिकोणीय मुकाबला है। यहां से निर्दलीय प्रत्याशी कांग्रेस और भाजपा पर भारी दिखाई पड़ रहे है। भााजपा से यहां पूर्व नपा उपाध्यक्ष के पति मैदान में है तो वहीं कांग्रेस से भी दमदार उम्मीदवार मैदान में है। हालांकि यहां दोनों ही दलों की दाल गलती नजर नहीं आ रही है। यहां निर्दलीय प्रत्याशी की साफ छवि और मिलनसारिता प्रवृत्ति उनकी जीत का कारण बनती नजर आ रही है।

- वार्ड क्र. 6 में भी त्रिकोणी मुकाबला है। यहां कांग्रेस - भाजपा के साथ ही भाजपा के बागी भी मैदान में है। बावजूद इसके यहां भाजपा की मजबूत स्थिति दिखाई पड़ रही है। हांलाकि यहां टक्कर भाजपा प्रत्याशी और भाजपा के ही बागी उम्मीदवार के बीच देखी जा रही है। यहां कांग्रेस का पलड़ा हल्का नजर आ रहा है। यहां कांग्रेस के अपने अलग ही दावे है। अगर कांग्रेस यहां उलट फैर करती भी है तो स्थिति कांटे की हो सकती है।

- वार्ड क्र. 7 में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है। मगर यहां निर्दलीय और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी भी मैदान में है। यहां भाजपा को मजबूत माना जा रहा है। लेकिन निर्दलय और आमआदमी पार्टी प्रत्याशी इसे कितना प्रभावित कर पाएंगे यह देखने लायक होगा। कांग्रेस से यहां पूर्व पार्षद मैदान में है, वे अपनी तीसरी पारी खेल रहे है। मगर मतदाताओं में इस बार इनसे काफी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय मुद्दे भी इस नाराजगी का मुख्य कारण है।

- वार्ड क्र. 8 में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में ही है। मगर इस वार्ड को भाजपा समर्थित वार्ड ही माना जाता रहा है। इसलिए यहां भाजपा की स्थिति काफी मजबूत है। भाजपा प्रत्याशी पूर्व नपा उपाध्यक्ष भी रह चुके है। लोगों में काफी साफ छवि है। जिसका फायदा सीधे तौर पर भाजपा को मिलता नजर आ रहा है।

- वार्ड क्र. 9 में भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला है। यहां से भाजपा सीधे तौर पर जीतती नजर आ रही है। भाजपा प्रत्याशी लाखनसिंह सौलंकीका पलड़ा यहां काफी भारी नजर आ रहा है। हालांकि कांग्रेस भी यहां जीत का दावा कर रही है।

- वार्ड क्र. 10 में इस बार काफी रोच मुकाबला है। यहां भाजपा-कांग्रेस के अलावा दोनों ही दलों के बागी मैदान में जो पूर्व में वार्ड पार्षद भी रह चुके है। हालांकि यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही माना जा रहा है। लेकिन बागी किसे कितना नुकसान पहुंचाएंगे इस पर मुकाबला बहुत ज्यादा रौचक हो गया है। यहां से भाजपा और कांग्रेस के कद्दावर नेता मैदान में है। यहां हार-जीत का अंतर बहुत ही कम मतों से होने वाला है।

- वार्ड क्र. 11 में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में ही है, लेकिन यहां कांग्रेस की स्थिति अच्छी दिखाई दे रही है। कारण यह कि धुमा डामोर की पत्नी यहां से कांग्रेस प्रत्याशी है और धुमा डामोर इस वार्ड में तड़वी के तौर पर जाने जाते है। इसके अलावा पूर्व पार्षद भी रह चुके है। वार्डवासियों के हर काम में आगे रहने और काम करने की वजह से यहां कांग्रेस की संभावना ज्यादा दिखाई पड़ रही है। हालांकि यहां उन्हे भाजपा भी कड़ी टक्कर देती दिखाई पड़ रही है।

- वार्ड क्र. 12 झाबुआ विधायक का वार्ड है। यहां सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा में ही मुकाबला है। यहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत बताई जा रही है। कांग्रेस प्रत्याशी सक्रिय राजनीति का हिस्सा भी है और पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठ भूमि से है। भाजपा भी यहां अपनी जीत का दावा कर रही है।

- वार्ड क्र. 13 में मुख्य मुकाबला भाजपा -कांग्रेस में ही है। यहां भाजपा प्रत्याशी भाजपा जिला उपाध्यक्ष पत्नी काफी मजबूत नजर आ रहीं है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रहे धनसिंह बारिया की धर्मपत्नि बसंती बारिया की स्वच्छ और साफ छवि तथा मिलनसारिता प्रवृत्ति इस बार मतदाताओं के बीच काफी असर करती नजर आ रहीं है। इस वार्ड से कांग्रेस भी जीत के दावे कर रही है लेकिन उम्मीदवार दमदार नहीं है।

- वार्ड क्र. 14 में भाजपा- कांग्रेस के बीच ही मुकाबला है। यहां दोनों ही दलों में मुकाबला रौचक है। दोनों ही दलों में असमंजस की स्थिति है, बावजूद इसके दोनों ही दलों के अपने -अपने जीत के दावें है। भाजपा का पलड़ा मजबूत नजर आ रहा है तो कांग्रेस से युथ कांग्रेस के झाबुआ महामंत्री रामसिंह हटिला की बहन मैदान में है। यहां भाजपा को एकजुटता के कारण मजबूत माना जा रहा है।

- वार्ड क्र. 15 में कांग्रेस-भाजपा ही मुख्य मुकाबले में है। यहां भाजपा की पूर्व पार्षद ही ही मैदान है। कार्यकाल अच्छा रहा है, अच्छे व्यवहार के चलते वे यहां से पिछली बार की तरह इस बार भी दम भिड़ती नजर आ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति यहां कमजोर दिखाई दे रही है।

- वार्ड क्र. 16 में मुकाबला रौचक है। यहां भाजपा से पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मैदान में है तो कांग्रेस के बागी पूर्व पार्षद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उन्हे चुनौती दे रहे है। हालांकि यहां निर्दलीय प्रत्याशी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। उनकी जीत के प्रबल दावे भी किए जा रहे है। पिछली परिषद में निर्दलीय प्रत्याशी की माताजी नगरपालिका उपाध्यक्ष रही है। हालांकि स्थिति अभी असमंजस वाली ही है।

- वार्ड क्र. 17 में कांग्रेस मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। यहां कांग्रेस से पूर्व पार्षद अपने विकास कार्यों के चलते एवं वार्ड के मतदाताओं के बीच अच्छी और मजबूत छवि के चलते इस चुनाव में भी काफी मजबूत नजर आ रहे है। उनका मुकाबला भाजपा प्रत्याशी से है, जो पूर्व से इस वार्ड से पार्षद रह चुकी है।

- वार्ड क्र. 18 में कांग्रेस भाजपा ही मुख्य मुकाबले में आमने -सामने है। यहां भाजपा प्रत्याशी पूर्व पार्षद की स्थिति मजबूत नजर आ रही है। तो कांग्रेस ने भी यहां सेवा निवृत्त शिक्षक को अपने प्रत्याशी के रूप में उतारा है। दोनों ही दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे है। भाजपा प्रत्याशी अपने द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों को लेकर मैदान है और यही कारण है कि वे मजबूत स्थिति में दिखाई पड़ रहे है।

माही की गूंज का यहां किसी तरह का कोई दावा नहीं है, यह तो सिर्फ आंकलन भर है। इसमें उलट फैर होने की पूर्ण संभावना है। स्पष्ट स्थितियां 30 सितम्बर को ही सामने आ पाएंगी। जब पार्षदों के भविष्य को कैद किए हुए एवीएम एक-एक कर परिणाम उगलेगी। मगर यह तय है कि इस बार नगरीय निकाय चुनावों में बड़ा उलट फैर देखने को मिलेगा।

शंकर मंदिर, दशहरा मैदान, वनेश्वर मारुति नंदन फूटतलाब पर गरबे की धूम

माही की गूंज,मेघनगर ।

शंकर मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी आकर्षक लाइटों की जगमगाहट और वहां पर माता जी की महाआरती और सुंदर गरबो का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर रोज बच्चों को हाथ में थाली लिए माता की आरती सुंदर फूलों से सजी हुई आरती उतारने के पश्चात छोटी-छोटी व नन्ही-नन्ही बालिकाओं द्वारा गरबो की प्रस्तुति हो रही है। उत्सव समिति द्वारा यहां पर गरबो का आयोजन किया जा रहा है और गरबा के पश्चात बच्चों को सुंदर उपहार भी दिए जा रहे हैं।

दशहरा मैदान पर सुंदर गरबा आर्केस्ट्रा की धूम

दशहरा मैदान पर भी माता रानी की सुंदर प्रतिमा जो सबका मन मोह रही है और वहां पर महाआरती के पश्चात गुजरात से आई हुई आर्केस्ट्रा पार्टी के द्वारा एक से एक गरबो की प्रस्तुती दी जा रही है। वंदे मातरम ग्रुप द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मेघनगर के हृदय स्थल दशहरा मैदान पर सुंदर गरबों का आयोजन किया जा रहा है। समिती ने नगर के सभी गणमान्य नागरिकों को यहां पर पधार कर इस गरबा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

वनेश्वर मारुति नंदन फूटतलाब पर माता रानी की प्रतिमा की घट स्थापना के साथ गरबे की धुम

वही मेघनगर से कुछ दूरी पर स्थित वनेश्वर मारुति नंदन कुटीर फुटतलाब पर मां जगदंबा की प्रतिमा सबका मन मोह रही है प्रांगण में सुंदर साज-सज्जा और लाइटों का डेकोरेशन है। आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालुगण मंदिर में दर्शन कर अपनी आस्था प्रकट कर माता नवदुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती एवं संकट मोचन महाबली हनुमान जी महाराज से आशीर्वाद लेकर माता रानी के गरबे में एक से एक प्रस्तुतियां दे रहे है। सुरेश चंद्र (पप्पू भैया) जैन द्वारा गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पावागढ़ एवं अंबाजी

से माता जी की ज्योत लाकर यहां माताजी की घट स्थापना की गई। प्रसिद्ध इस गरबा उत्सब में जिले

के साथ गुजरात राजस्थान के श्रद्धालु आकर मनमोहक गरबो को देख अभिभूत हो रहे है एंव वे भी गरबा नृत्य कर गरबो की भव्यता को बडा रहे है। सुरेशचंद्र जैंन (पप्पू भैया) मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता जी के गरबे आयोजित किए जा रहे हैं। यहां पर मंदिर की सेवा पूजा करने वाले श्री मुकेश दास जी महाराज ने सभी भक्तो से सेवा, पूजा, दर्शन लाभ लेने का निवेदन किया है।

धूमधाम से हो रही मां की आराधना

माही की गूंज, काकनवानी ।

कोरोना काल से निकलने के बाद इस वर्ष सभी ग्रामवासी मिलकर बड़े ही धूमधाम से नवरात्रि महोत्सव मना रहे है। प्रति वर्ष की तुलना में इस वर्ष साज-सज्जा में भी बढ़ोतरी की गई। नवरात्रि की तैयारी 1 महीने पूर्व ही शुरू की गई थी। नवरात्रि के प्रथम दिन माता जी की प्रतिमा को नगर भ्रमण कर घट स्थापना कर महाआरती की गई।

नवदुर्गा महोत्सव समिति के अध्यक्ष नरेश चंद्र अमृतलाल पंचाल, उपाध्यक्ष मीनल राठौड़, कोषाध्यक्ष प्रवीण सोनी, सचिव नवनीत पंचाल, सह सचिव भव्य एवं आर्यन पंडा पुजारी, पंकज पंचाल, नटवर पंचाल, कान्हा वर्मा एवं सिदेश्वर म्यूज़िकल ग्रुप काकनवानी का सहयोग मिल रहा है। शिव मंदिर समिति की और से ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्र जयंतीलाल भांनपुरिया, पूर्व अध्यक्ष डाडमचंद राठौड़, जगदीश पंचाल, एडवोकेट मनोज चौहान, सुरेश नायक, राजेंद्र मणिलाल पंचाल की देखरेख में नवरात्रि का आयोजन चल रहा है एवं सभी ग्रामवासियों का सहयोग मिल रहा।

मां की आराधना में डूबा अंचल

रोग्यादेवी पांडाल में गरबा नृत्य

माही की गूंज,खवासा।

शक्ति की भक्ति के पावन पर्व नवरात्रि देवीय आराधना का विशेष महत्व रहता है। इस दौरान किए गए जब- तप का फल अशुभ रहता है क्षेत्र के प्राचीनतम रोगियादेवी मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा और आधुनिक वाद्य यंत्रों की धुन पर गरबा खेला जा रहा है मान्यता है कि रोगों को हर कर आरोग्य रखने वाली मां रोगयादेवी की भक्ति से वर्षभर आरोग्यरायी फल मिलता है इस स्थान पर पिछले लगभग 50 वर्षों से ज्यादा समय से गरबा आयोजन होता आ रहा है मंदिर से वर्षो से जुड़े वरिष्ठ भेरुलाल परमार व सेवानिवृत्त शिक्षक सुश्री गिरिजा व्यास के अनुसार प्राचीन समय में यहां गरबा दीपक जलाकर खेला जाता था वही वाद्य यंत्रों में ढोल और हारमोनियम से शुरुआत की गई थी धीरे-धीरे यहां का आयोजन व्यापक स्तर पर होने लगा है और आसपास के अनेक गांव के लोग यहां गरबा देखने आते हैं।

इस वर्ष भी एक जैसी वेशभूषा में यहां गरबा और रास गरबा खेला जा रहा है आयोजन समिति के अध्यक्ष आशीष सोलंकी के अनुसार यहां दशहरे तक गरबा खेला जाएगा और प्रतिदिन गरबा खेलने वाली मातृशक्ति को माताजी के प्रसादी स्वरूप भेंट भी दी जाएगी।

संकट मोचन पांडाल में गरबा नृत्य

वही बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में संकट मोचन मित्र मंडल के तत्वाधान में गरबा आयोजन किया जा रहा है आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज चौहान के अनुसार यह 11वा नवरात्र उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है ।

यहां प्रथम दिवस शुभ मुहूर्त में पंडित विजय व्यास के द्वारा माता जी की मूर्ति की स्थापना की गई है यहां प्रवीण म्यूजिकल ग्रुप के गायक जीतू धोरा व प्रिया वैष्णव की शुमधुन आवाज में गरबा गाया जा रहा है जिससे आकर्षक गीत संगीत की धुन पर माता बहनों द्वारा गरबा व रास गरबा खेला जा रहा है।

इसके साथ ही आसपास के ग्रमीण क्षेत्रों में भी माताजी की मूर्ति की स्थापना के साथ डीजे साउंड पर गरबा खेला जा रहा है यानि इन दिनों पूरा अंचल मां की आराधना में डूबा है।

सभी पांडालों में गरबे की धूम

माही की गूंज, थांदला।

नगर में नवरात्रि पर्व, घट स्थापना के साथ शुरु हुआ। नवरात्रि में मठवाला कुआं समिति व त्रिमूर्ति कालिका माता मंदिर थांदला के सदस्यों ने कालका माता मंदिर से बैंड-बाजे, ढोल-ताशे के साथ चल समारोह निकाल कर कलश स्थापना कर माता जी की पूजा अर्चना की ।

सनातन धर्म में नवरात्रि को बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है, भक्त अपने घरों में और बड़े-बड़े पंडालों में माता दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना करते हैं। इसके साथ ही नवरात्रि के दिनों में लोग जवारे बोते है,. इनके बिना माता की पूजा अधूरी मानी जाती है। नवरात्रि के पहले दिन से ही जौ बोए जाते हैं, नवरात्रि में जौ बोने के पीछे मान्यता है कि, धरती की रचना के बाद जो सबसे पहली फसल उगाई गई थी, वह जौ थी। 9 दिनों की नवरात्रि पूजा के बाद इसको नदी या तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। वहीं भक्त मलुक दासजी द्वारा स्थापित दीप मालिका पर दिप दान कर जगमग दीपों से रोशन कर दिया।

नवरात्रि के चलते नगर की देवी नागनेचा माता, चामुंडा माता मंदिर पर भी स्थापना के साथ विद्युत साज-सज्जा कर आकर्षक श्रृंगार किया गया।

गरबा पांडालों में अब रोनक आने लगी है नगरीय निकाय चुनाव होने के कारण दो दिन पांडालों में भीड़ नहीं जुट पाई परिणाम के बाद ही गरबा पांडालों में रोनक आयेगी।

बाजार में आया ड्रेगन फल, शुगर सहित कई तरह के बुखार में करता फायदा

माही की गूंज, पेटलावद।

आत्मनिर्भर भारत की कल्पना कैसी होगी कहा नही जा सकता, लेकिन आज के समय मे कई किसान आत्मनिर्भर बन नई-नई तकनीक से नए-नए फसल को उगाकर लाभ कमा रहे है। वही छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारी भी नई-नई सामग्री बाजार में बेच कर लाभ कमा रहे है। ऐसा ही एक नज़ारा नगर के बाजार में देखने को मिला, अजीब तरह का फल बिकने को आया, जिसको देख कर लोगो को उसके बारे में जानने की जिज्ञासा जाग गई। फल की बनावट ड्रेगन और पाइनापल जैसी है। फल विक्रेता नरू सोलंकी, धामन्दा खेड़ा (कल्याणपूरा) क्षेत्र के होकर इस फल को बाजार में बेच रहे है।

नरू सोलंकी ने बताया, ड्रेगन फल गुजरात राजकोट के वछाव क्षेत्र से लेकर आता हूं और भाड़ा समेत 100 रुपये किलो तक पड़ता है। जिसे बाजार में 150 रुपये किलो तक विक्रय कर रहा हु। विगत दो महीने से मेहनत कर रहा हु और झाबुआ में ड्रेगन फल बेच रहा हु। पहली बार पेटलावद में आया हु। नरू रोज के 20 से 30 किलो ड्रेगन फल बेच देते है। नरू ने बताया कि, ड्रेगन फ्रूट शुंगर, डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों में फायदा करता है इसका जूस भी बना सकते है और ऐसे भी खा सकते है। धामन्दा खेड़ा (कल्याणपूरा) क्षेत्र कभी अपराधिक प्रवृत्ति के लिए जाना जाता रहा है आज उसी क्षेत्र से ड्रेगन फ्रूट बेचता ग्रामीण नरू सोलंकी बदलती तस्वीर का प्रमाण है।

लंपी वाइरस ने दी क्षेत्र में दस्तक, पशु पालकों की चिंता बढ़ी

माही की गूंज, करवड़। विकासखंड पेटलावद के अंतर्गत ग्राम पंचायत करवड में लंपी वायरस ने दस्तक दी है। लंपी वायरस से संक्रमित होने के कारण गांव के राधेश्याम डेरिया पाटीदार की गाय की मृत्यु हो गई। पशु पालक ने बताया कि, गौ माता सात-आठ दिन से ना तो चारा खा रही थी और ना ही पानी पी रही थी। राधेश्याम पाटीदार के अनुसार, हमने पशु वेटरनरी वालों को अवगत कराया था कि, मेरी गाय को लंपी वायरस हो गया है गाय को टीका लगाना है फिर भी पशु वेटरनरी वालों ने अभी तक टीका नहीं लगाया। गांव में एक दर्जन से ज्यादा गौ माता वायरस से संक्रमित है और वह खुले में घूम रही है। गांव के लोगों का कहना है कि, जो गौ माता वायरस से संक्रमित हुई है उन्हें चिन्हित कर टीका लगाया जाए और उन्हें अलग स्थान पर रखा जाए। करवड के आसपास तेजपुरा ,नलदी, नई आबादी, गामड़ मोहल्ला में भी संक्रमित गाय खुले में घूम रही है। लगातार बढ़ते वायरस के प्रकोप से पशु पालकों में चिंता बढ़ गई है।

मौन मतदाता को नहीं पढ़ पा रहा कोई, कल खुलेगी प्रत्याशियों की लॉटरी, आ सकते है चौकाने वाले परिणाम

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

नए नियमो से सम्पन्न नगर परिषद चुनाव के लिए 27 सितम्बर को हुए, मतदान के बाद नगर परिषद के सभी वार्डो में हुए मुकाबले कड़े रहे, हर कोई अपनी जीत के दावे कर रहा है। मतदान के बाद जनता किसके पाले में बैठी ये तय कर पाना मुश्किल हो रहा है। मतदाता का मौन, प्रत्याशियो की साँसे फुला रहा है। एक-दो वार्डो को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर वार्डो में अंतिम परिणाम तक पहुच पाना मुश्किल है। हालांकि हर कोई अपने हिसाब से एक्जिट पोल जारी कर रहा है, लेकिन ईवीएम में बन्द भाग्य की लॉटरी कल 11 बजे तक खुल जाएगी और नए पार्षदों के नाम सामने आ जायगे।

78.20 प्रतिशत रहा कुल मतदान, सुबह से लगी रही भीड़

नगर परिषद के लिए मंगलवार सुबह 7 बजे शुरू हुआ मतदान, शाम 5 बजे तक चला, सुबह से ही मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। दोपहर तीन बजे तक लगभग 65 प्रतिशत मतदान हो चुका था। ईवीएम मशीन के कारण मतदान केंद्रों पर एक साथ भीड़ नजर नही आई, सभी 15 वार्डो के लिए अलग-अलग बूथ बनाये गए थे। वार्ड क्रमांक 1, 5 और 8 में मतदाता अधिक होने के कारण दो बूथ बनाये गए। जिससे मतदाताओं को अधिक परेशानी का सामना नही करना पड़ा। कुल 11,817 मतदाताओं में से 9,241 मतदाता ने मतदान किया, जिनमे पुरुष 4,691 महिला 4,550 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, कुल मतदान 78.20 प्रतिशत रहा। इस दौरान समय-समय पर पर्यवेक्षक, डीआइजी, एसडीएम, एसडीपीओ, तहसीलदार सहित विकास खंण्ड के प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्था संभाली।

वार्ड 12 के बूथ पर हुड़दंग करते लोगो को पुलिस ने खदेड़ा

पूरे नगर के 18 बूथों पर मतदान लगभग शांति पूर्ण रहा है। कही से कोई विवाद की खबर नही आई। सीएम राइस स्कूल क्षेत्र में बने मतदान केंद्र जहां पर वार्ड 12 के लिए मतदान हो रहा था। मतदान केंद्र के बाहर दोनों मुख्य प्रत्याशियो के समर्थक आपस मे भीड़ गए, जिसको देखते हुए मौके पर मौजूद पुलिस बल और एसडीपीओ सौनु डावर ने भीड़ को खदेड़ कर विवाद को बढ़ने से रोका।

कल आयेगे परिणाम , नगर में हार-जीत के कयासो को लेकर चर्चा ,सट्टाबाजार भी मौन

मतों की गिनती कल शुक्रवार 30 सितंबर को होनी है, इससे पूर्व नगर में प्रत्याशियों के हार-जीत के कयासों का दौर जारी है। नगर में भाजपा की परिषद लम्बे समय से रही है और यहां जनता भाजपा को हर चुनाव में जिताती आई है। ऐसे में टिकिट वितरण में हुई अनदेखी और मनमानी के चलते ज्यादातर वार्डो में भाजपा के बागी खड़े हो गए, जिससे चुनाव और रोचक हो गए, वही नगर में वर्षों से जमीन तलाश रही कांग्रेस के पास भी एक मौका आया है, जिसमे वो चमत्कारी प्रदर्शन कर अगर 6 पार्षद जीता पाती है तो वर्षों के बाद उसके पास भी नगर परिषद में बैठने का मौका होगा। वही भाजपा कही न कही निर्दलीयों के भरोसे हो, नगर परिषद की कुर्सी तक पहुँच सकती है ऐसे भी कयास लगाए जा रहे है। नगर में चुनाव परिणामों को लेकर सट्टा भी जम कर लगाया जा रहा, लेकिन नजदीकी मुकाबले होने के कारण ज्यादातर वार्डो में हार-जीत के भाव मे ज्यादा अंतर नही है।

कुल 15 वार्डो के लिए हुए मतदान में सबसे अधिक वार्ड 2 में 92.06 प्रतिशत और सबसे कम वार्ड 14 में 65 प्रतिशत मतदान किया गया। वार्ड अनुसार मतदान ऐसा रहा

वार्ड क्र.	कुल मतदाता	मतदान	मतदान प्रतिशत
1	1564	1161	75
2	547	512	92.06
3	689	611	88.07
4	622	520	83.60
5	997	705	71
6	556	479	86.20
7	579	494	85.30
8	2,019	1,525	80
9	356	298	83.05
10	430	359	83.05
11	620	411	69
12	633	519	82.09
13	818	590	72
14	799	520	65
15	588	537	91.30

थांदला में हुआ 75 प्रतिशत मतदान

माही की गूंज, थांदला।

नगर परिषद में 14 वार्डों के लिए मतदान सम्पन्न हो गए। मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। थांदला नगर परिषद के 15 वार्डो में से 1 वार्ड में निर्विरोध पार्षद चुना गया। इसलिए अब सिर्फ 14 वार्डों के लिए ही मतदान हुआ। इन 14 वार्डो में 52 पार्षद उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ देखी गई। युवाओं के साथ बुजुर्ग भी अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे। प्रशासन की और से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। जिसके चलते मतदान शांतिपूर्ण रहा। उम्मीद्वार अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र से तय की गई दूरी पर बैठे हुए दिखाई दे रहे थे। नगर परिषद के मतदान की शुरुआत थोड़ी धीमी जरूर हुई जो धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ती गई। ।

2017 में नगर परिषद चुनाव में मतदान प्रतिशत 76.19 रहा था ।

इस वर्ष कुल मतदान प्रतिशत 75.10 रहा

रविवार को प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान निकाय चुनाव प्रचार में थांदला आए थे। पिछले पांच सालों में नगर विकास को 20 करोड़ रुपए मिले थे। पिछली परिषद के काले कारनामों और गुटबाजी चरम पर थी। यह तो 30 सितंबर को मतगणना के बाद ही पता चलेगा की भाजपा की परिषद बनती है या पिछली परिषद की तरह माफियाओं के चक्कर में नगर का विनाश करेगी या विकास । थांदला नगर परिषद पर पिछले कार्यकाल के लगभग 3.50 करोड़ रूपए बाकी है। ऐसे में यदि बात करें तो पिछले चुनाव में भी कुल 12 हजार मतदाताओं ने इस परिषद को चुना था।

भाजपा अहम में, कांग्रेस वहम में और मतदाता के पास विकल्प नहीं

नगर का चुनावी माहौल को देखे तो भाजपा को जीत का अहम है, तो वहीं कांग्रेस को सत्ता मिलेगी इस बात का वहम हो रहा है, यह दिखाई दे रहा है। इसी बात को लेकर नगर के चौराहे चुनावी चर्चा से गुलज़ार है। कई लोग राजनीतिक पंडित बन कर वार्डों का विश्लेषण कर रहे है। तो कई जगह पसंद का उम्मीद्वार न होने से लोगों के पास विकल्प नहीं है। ऐसे में मतदाता किस और जाएगा, यह कल पता चलेगा।

गो रक्षा संघ की हुई बैठक, समिति का किया गठन

माही की गूंज, पारा।

देश में हो रही गो हत्या को लेकर मिशन गो हत्या भारत मुक्त बनाओ अभियान के तहत पारा-झाबुआ मार्ग पर नवनिर्माण महाबली पंचमुखी हनुमान मंदिर पर अखिल भारतीय गो रक्षा महासंग मध्यप्रदेश की और से पदाधीकरीगण की नियुक्ति हेतु बेठक रखी गई। उक्त बेठक में हिन्दू-मुस्लिम लोगो ने हिस्सा लिया। अखिल भारतीय गो रक्षा महासंग मध्यप्रदेश अध्यक्ष विनय मोरिया व शलिल डिंगा प्रदेश संयोजक की अनुसंशा पर झाबुआ जिले के अध्यक्ष पद के लिए महाबली पंचमुखी मंदिर के पुजारी राजेश वैरागी (राजू महाराज) मनोहर दास वैरागी को नियुक्त किया गया। मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा के पद के लिए इमितियाज सेठ निजामी को बनाया गया। गो माता का सम्मान राष्ट्र का सम्मान कार्यक्रम मे पधारे मंचासिन अतिथिगण का गणमान्य नागरीको ने, अतिथियों ने राजेश वैरागी का माला पहनाकर स्वागत किया व झाबुआ जिले के अध्यक्ष पद के लिए हार्दिक बधाई दी।

कार्यक्रम में पधारे अतिथि भाजपा जिला महामंत्री सोमसिह सोलंकी, भाजपा जिला पंचायत सदस्य वालसिंग मसानिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष सजनसिंह अमलियार आदि ने उत्बोधन दिया। सबसे पहले सोमसिंह सोलंकी ने भारत माता की जय, वंदेमारम् की जय घोष के साथ शुरुवात की। सोलंकी ने कहा गाय हमारी माता है। गाय को मां का सम्मान मिलना चाहिए। गाय को घरों में पलने से कई प्रकार की बीमारी से छुटकारा मिलता है। गोमूत्र, गाय का गोबर, गाय के उपर हाथ फेरने से कई बीमारियों का इलाज होता है। गाय माता का दूध सबसे लाभकारी है देश के नागरिक अच्छी तरह से जानते है। वालसिंग मसानिया ने कहा कि, गाय माता हमारे लिए कितनी उपयोगी है हम अच्छी तरह से जानते है। गाय एक बेजुबा पशु है, गायों के शरीर में क्या-क्या कष्ट होते है, गाय बोलकर नहीं बता सकती और हम लोग भी नहीं समझ सकते। गाय माता हमारे लिए उपयोगी है। मसानिया ने कहा कार्यक्रम में पधारे सभी लोगो से हमारा अनुरोध है कि, अभी हाल ही में पशुओं में लंपी वायरस फ़ेला हुआ है। आप सभी को ध्यान रखना है। पारा व आस-पास के क्षेत्रो मे लंपी वायरस फैला हो तो हमसे संपर्क करें। आस-पास पशु चिकित्सक शाला में सूचना देवे। पशुओं में फैली बीमारियों के लिए पारा व आस-पास के क्षेत्रों मे टीकाकरण के लिए शिविर भी लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में पधारे सोमसिंह सोलंकी, वलसिंग मसानिया, सजन सिंह अमलियार, संदीप सोनी, मनोज सोनी, उष्मान, अशीर, आजात खान, सकलेन कुरैशी, रहमान, फाइयाज, नासिर खान, साईद, जावेद खान, सोनू कुरैशी, दिनेश भगत, पिंजू अमलियार, प्रभु सिंह, मांगीलाल राठौड़, भुरा, घनश्याम शर्मा, शंकर, नयन वैरागी, संजय शर्मा, आदि मोजुद थे। कार्यक्रम का आभार जिला कोषाध्यक्ष संदीप सोनी ने व्यक्त किया।

गरबों का उत्साह प्रथम दिन से ही

माही की गूंज, पारा।

ग्राम में नवरात्रि के शुभ अवसर पर पांच स्थानों पर गरबा पांडाल लगे। सभी पंडालों को डेकोरेशन से बेहतरीन तरीके से विद्युत साज-सज्जा की गई। स्थानीय बस स्टैंड पर सार्वजनिक गरबा मंडल, प्रजापत मोहल्ला, पिपली चौक, होली चौक, कैसरबाग चौराहा, बखतपुरा अंबे माता मंदिर, प्रांगण में पांडाल लगे, गरबो की शुरुआत से ही लोगों की भीड़ देखने को मिली, आगे जाकर यह भीड़ हजारों की तादाद में देखने को मिलेगी। पंडालों में छोटे-छोटे बच्चो से लेकर महिला-पुरूष गरबा खेलते हुए उत्साहित दिखाई दिए।

अव्यवस्थाओं, अनियमितताओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज,थांदला।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद थांदला इकाई ने उ.मा.विद्यालय एवं छात्रावास परवलिया में अव्यवस्थाए, अनियमितताएं को लेकर खण्ड शिक्षा अधिकारी पीएन अहिरवार को ज्ञापन सौंपा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर समाधान के लिए पहल करते हुए शा.उ.मा. विद्यालय परवलिया के छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को अवगत किया।

विद्यार्थियों की विद्यालय की मांगे

बिल्डिंग की मरम्मत कर रंगाई-पुताई की जाएं, सभी कक्षाओं में लाईट फिटिंग कर पंखे लाईट व्यवस्था की जाएं। सभी कक्षाओं में पर्याप्त टेबल-बेंच की व्यवस्था कर पुरानी टेबल-बेंच की रंगाई-पुताई की जाएं। सभी कक्षाओं में मार्कर के सफेद बोर्ड लगाए जाएं।

छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएं।

सीनियर बालक जनजाति छात्रावास परवलिया की समस्याएं, छात्रावास में पर्याप्त मात्रा में पानी की व्यवस्था की जाएं, छात्रावास में खिड़कीयों पर मच्छर जाली लगाई जाएं, छात्रावास में बेडसिट, कम्बल, साबुन, तेल दो साल से नहीं दे रहे वह भी दिया जाए।, छात्रावास में नाश्ता, भोजन मेन्यू अनुसार कुछ भी नहीं दिया जाता है, प्रतिदिन नास्ते में सेव-परमल और भोजन में दाल-चावल दिया जाता है। छात्रावास के कमरों व शौचालय की साफ-सफाई नहीं की जाती साफ-सफाई प्रतिदिन की जाएं।

उपरोक्त समस्याओं पर कार्य नहीं होने के कारण छात्रों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण विद्यार्थी परिषद द्वारा छात्रों की मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है।

प्रताप कटारा जिला संयोजक ने कहा, महोदय छात्र हित को ध्यान में रखकर विद्यार्थीयों की विभिन्न मांगे सम्बंधित विभागों में कारवाई कर 5 दिन के अंदर अतिशीघ्र समस्या का समाधान करें। अन्यथा छात्रों की मांगे पुरी नहीं होने पर विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की रहेगी। प्रताप कटारा, विकास भूरिया, कालेज केम्पस अध्यक्ष शिव सिंगाड़िया, कालेज केम्पस मंत्री अजय भाबोर, कैलाश भाबोर, रितिक गेहलोत उपाध्यक्ष, विजय भाबोर सह मंत्री,संदेश मुणिया, स्कूल अध्यक्ष रमेश गणावा स्कूल मंत्री ने ज्ञापन का वाचन किया। केशव वसुनिया, निलेश निनामा रिंकू निनामा कछुआ रावत, चन्दन मुणिया, अरविन मईडा, मुनसिंग कटारा, बाहदुर कतिजा, अजय अमलियार, सचिन मईड़ा, कल्पेश आदि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम में निकली 51 फिट चुनरी और कलश यात्रा के साथ हुई घट स्थापना

माही की गूंज, करवड़।

गांव के मध्य स्थित प्राचीन जय मां अंबे माता मंदिर से 51 फीट चुनरी यात्रा और नन्हीं-नन्हीं बालिकाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गरबे का रंगा-रंग आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बालिकाओं के द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग ड्रेस कोड के साथ गरबा रास करेगी। यहां स्थानीय स्तर पर गुजराती गरबों की थीम पर बालिकाओं को 10 से 12 दिनों तक गरबा का प्रशिक्षण भी दिया गया। सोमवार को गांव में 51 फीट की चुनरी और कलश यात्रा पहली बार धूमधाम के साथ नगर भ्रमण कर मंदिर पहुंची व घटस्थापना की गई और बालिका और बालक के द्वारा गरबा रास खेला गया। उसके पश्चात मां अंबे माता की आरती उतारी गई और प्रसादी वितरण समिति के द्वारा किया गया। आगामी दिनों तक माँ के प्रांगण में नवरात्रि की धूम रहेगी।

संपादकीय

बुलडोजन उपचार जरूरी...?

अपराधियों और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बुलडोजर के इस्तेमाल का जो सिलसिला उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ था वह अब मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व दिल्ली होते हुए हरियाणा तक आ पहुंचा है। अब हरियाणा की मनोहर सरकार योगी सरकार की ही तर्ज पर एक्शन मोड में नजर आ रही है। राज्य सरकार ने बदमाशों व नशा तस्करों की अचल संपत्ति पर बुलडोजर चलाने का मन बना लिया है। राज्य के गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने भी चेतावनी दी है कि, राज्य में किसी भी कीमत पर नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। नशे के सौदागरों को यह धंधा तुरंत बंद करना होगा या फिर राज्य छोड़कर जाना होगा। उन्होंने यहां तक चेतावनी भी दे दी कि, सभी जनपदों में टीमें तैयार कर ली गई हैं और सभी जगह बुलडोजर तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि, नशे की कमाई से तस्करों ने जो संपत्ति बनाई है उस पर शर्तिया बुलडोजर चलेगा।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के कानपुर के बिकरू गांव में गैंगस्टर विकास दुबे के आलीशान घर को नेस्तनाबूद करते समय बुलडोजर का जो रौद्र रूप योगी सरकार ने दिखाया, वह राजनीति में बदमाशों के खिलाफ तुरत-फुरत कार्रवाई का प्रतीक बन गया है। यहां तक कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान बुलडोजर एक मुद्दा बना। चुनावी रैलियों, जुलूसों में व गीतों के रूप में बुलडोजर का जमकर उपयोग किया गया। यहां तक कि योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा का नाम दे दिया गया। सत्तारूढ़ सरकारें जहां इसे बदमाशों के खिलाफ व अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बताती हैं, वहीं विपक्ष इसे महज राजनीति बताता है। इसी तरह बुलडोजर मध्यप्रदेश के खरगोन में भी चला। वहीं एक वर्ग ऐसा भी है कि जो इस कार्रवाई को गैरकानूनी बताता है और इमरजेंसी के दौरान तुर्कमान गेट प्रकरण को तत्कालीन कांग्रेस सरकार की नाकामी के रूप में देखता है। वहीं दूसरी ओर उ.प्र. में दूसरी बार सत्ता में आई योगी सरकार इसे अपनी कामयाबी के सूत्र के रूप में देखती है।

वहीं दूसरी ओर राजनीतिक विश्लेषक बुलडोजर को भाजपा शासित राज्यों में विनिंग फार्मूले के रूप में देख रहे हैं। जिसके चलते ही बुलडोजर बाबा, बुलडोजर मामा और बुलडोजर जस्टिस जैसे जुमले उछाले जा रहे हैं। वहीं विपक्षी दल बताते हैं कि, उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण की विफलता के बाद बुलडोजर को एक सफलता के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। जिसके खिलाफ कुछ पूर्व न्यायाधीशों व वरिष्ठ वकीलों ने योगी सरकार की कारगुजारियों पर सवाल उठाते हुए सर्वोच्च अदालत से मामले में स्वत: संज्ञान लेने की अपील की थी। वहीं इस कार्रवाई को उत्तर प्रदेश व दिल्ली की जहांगीरपुरी में सांप्रदायिक नजरिए से भी देखा जाता है। जानकारों का मानना है कि, इस कार्रवाई में कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं होता। कई कानूनविद् इसे भारतीय संविधान का भी उल्लंघन मानते हैं क्योंकि यह जीने के अधिकार का अतिक्रमण करता है। दलील दी जाती है कि ऐसी कार्रवाई से पहले आरोपी को नोटिस दिया जाना चाहिए और फिर सुनवाई का मौका भी मिले। फिर अपील का अवसर भी दिया जाना चाहिए। किसी का अपराध तय करना अदालत का काम है। ऐसी कोई भी कार्रवाई कानून की प्रक्रिया का अतिक्रमण है। वहीं भाजपा शासित राज्यों में अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई को नगर निकाय के नियमों के अनुरूप बताते हैं। खासकर दिल्ली के जहांगीरपुरी प्रकरण में यह दलील दी गई। यह यक्ष प्रश्न है कि क्या वाकई बुलडोजर चलाना गुड गवर्नेंस का मॉडल है? क्या जल्दी इंसाफ देने के फेर में कानूनी प्रक्रिया कमजोर नहीं होती? वहीं सत्ता पक्ष की दलील है कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। अपराधी यह मान बैठे हैं कि किसी नियम-कानून का उल्लंघन या अतिक्रमण करने का उन्हें अधिकार है। यदि समय रहते उनके भ्रम को तोड़ा जाता है तो उनके मुगालते दूर हो जाएंगे? अपराधियों में बुलडोजर से खौफ पैदा करना जनता को राहत देने जैसा है। वहीं राजनेताओं को लगता है कि इससे उनकी लोकप्रियता में इजाफा होता है। ये भी कि यह मजबूत कानून व्यवस्था का पर्याय है।

सेमीकंडक्टर स्पर्धा में जागी भारतीय उम्मीदें

दिनेश सी. शर्मा

वेदांता ग्रुप ने घोषणा की है कि वह भारत में सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले उत्पादन इकाई और सेमीकंडक्टर असेम्बलिंग-कम-टेसि्ंटग सुविधा गुजरात के अहमदाबाद जिले में स्थापित करेगा। इस घोषणा ने दो वजहों से ध्यान खींचा है। निवेश की मात्रा (1.54 लाख करोड़ रुपये) और नई इकाई लगाने के लिए गुजरात का चुनाव, जबकि पहले महाराष्ट्र में लगाने के संकेत थे। तथापि, अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वेदांता ने ताईवान के हॉन हाइ टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) को बतौर साझीदार जोड़ा है। फिलहाल ताईवान दुनियाभर में सेमीकंडक्टर उत्पादन का धुरा है और कोविड महामारी से चिप्स आपूर्ति व्यवधान ने वैश्विक स्तर पर अनेकानेक उद्योगों का उत्पादन ठप कर दिया था।

इस आपूर्ति शृंखला भंग और विभिन्न क्षेत्रों पर इसके असर ने दुनिया को सेमीकंडक्टर आपूर्ति में केवल एक-दो स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता की हकीकत से जगा डालादृ चाहे यह कार हो या वॉशिंग मशीन में प्रयुक्त सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसलिए मुख्य उपभोक्ता वस्तु निर्माताओं ने ताईवानी इकाइयों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने का मन बनाया। मौजूदा चिप डिज़ाइनिंग के डिसएग्रिगेटेड मॉडल और फैब्रिकेशन पर पुनर्विचार किया जा रहा है। जुलाई माह में, अमेरिका सरकार ने 'चिप्स' (क्रिएटिंग हेल्पफुल इन्सेंटिव टू प्रोड्यूस सेमीकंडक्टर्स) एक्ट से अमेरिकी कंपनियों को 52 बिलियन डॉलर की सब्सिडी देकर सेमीकंडक्टर निर्माण, अनुसंधान एवं विकास प्रोत्साहन पैकेज घोषित किया है। यूरोपियन यूनियन भी चिप उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। उधर दक्षिण कोरिया ने 540 बिलियन डॉलर सब्सिडी योजना से दुनिया में सेमीकंडक्टर निर्माण का मुख्य केंद्र बनाने की शुरुआत की है। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में सरकार चिप एवं डिस्प्ले निर्माण इकाइयों को 10 बिलियन डॉलर (76 हजार करोड़ रुपये) सब्सिडी देगी। निजी कंपनियों को उत्पादन इकाई स्थापित करने में आए खर्च का 50 फीसदी तक अनुदान मिल सकता है।

भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण की यात्रा वर्ष 1974 में पंजाब से शुरू हुई थी, जब इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने महसूस किया कि देश के अंदर सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और निर्माण होना चाहिए, पहले-पहल विदेशी मदद से सही। केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन के बाद सेमीकंडक्टर कॉम्पलैक्स लिमिटेड (एससीएल) बनाना स्वीकृत हुआ। 1976 में विशेषज्ञ पैनल ने दो संभावित जगहें सुझाईं दृ मोहाली और मद्रास। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की तरजीह हवाई अड्डे की सुविधा वाले मद्रास पर थी। किंतु पंजाब के मुख्यमंत्री जैल सिंह को भनक लगी और उन्होंने प्रधानमंत्री पर जोर डालकर निर्णय मोहाली के पक्ष में करवा लिया। हालांकि इंदिरा गांधी ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अधिकारी अशोक पार्थसारथी को मुख्यमंत्री जैल सिंह को यह समझाने का काम सौंपा कि इस इकाई से पंजाब के स्थानीय लोगों को शायद ही रोजगार मिले क्योंकि इसमें बहुत अधिक प्रवीणता की जरूरत होती है। लेकिन जैल सिंह अड़े रहे और मोहाली को देश की पहली सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई मिली। इस परियोजना पर 15 करोड़ रुपये लगे थे और 1983 में उत्पादन शुरू हुआ, अमेरिका की माइक्रोसिस्टम्स इन्कॉर्पोरेशन से प्राप्त तकनीक से चिप्स बनने लगीं।

लगभग उसी समय, एससीएल की तरह, किंतु स्वतंत्र सेमीकंडक्टर डिज़ाइन गतिविधियां भारत में शुरू हुईं। इसकी अगुवाई आईआईटी कानपुर से पढ़े प्रभाकर गोयल ने की थी, जिन्होंने अमेरिका में बतौर चिप डिज़ाइनर अच्छा-खासा नाम कमाया था। उनके स्टार्टअप गेटवे डिज़ाइन ऑटोमेशन (जीडीए) की विशेषज्ञता चिप्स उत्पादन में प्रयुक्त टेसि्ंटग टूल वेरीलॉग बनाने में थी। इसने करोड़ों डॉलर्स की आमदनी करवाई और गोयल के ग्राहकों में जापान और ताईवान के उच्चतम चिप निर्माण उद्योग थे। चूंकि वेरीलॉग बनाने में कुछ कामों जैसे कि लाइब्रेरीज़ में बहुत श्रम खपता था, इसलिए उन्होंने इकाई भारत में स्थानांतरित करने की सोची और इंजीनियरों की एक छोटी टीम बनाकर 1985 में नोएडा में उत्पादन शुरू किया। चार साल बाद सिलिकॉन वैली, अमेरिका की कंपनी काडेन्स डिज़ाइन सिस्टम्स ने जीडीए का अधिग्रहण कर लिया, इसमें नोएडा वाली इकाई भी थी। इस तरह भारत में काडेन्स के रूप में अग्रणी कंपनी का आगमन हुआ। इसके बाद दो और सेमीकंडक्टर डिज़ाइन कंपनियोंदृ टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स ने 1980 के दशक के आखिर में भारत में अपने दफ्तर खोले। आगे लगभग एक दशक में इंटेल समेत उच्चतम कोटि की 25 चिप्स डिज़ाइन कंपनियों में 17 ने भारत में केंद्र खोले और देश चिप्स डिज़ाइनिंग क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति बन गया।

बढ़ती मांग पूरी करने हेतु अमेरिकी और यूरोपियन सेमीकंडक्टर कंपनियों ने भारतीयों की डिज़ाइन प्रतिभा और ताईवान में व्यापक स्तर की उत्पादन क्षमता का फायदा लेकर चिप्स निर्माण किया। लेकिन दूसरी ओर, भारत चिप्स उत्पादन में पिछड़ता गया क्योंकि एससीएल में उत्पादन तकनीक को अपग्रेड करने की प्रक्रिया के दौरान भयंकर आग लग गई। नए सिरे से सबकुछ बनाने में लंबा वक्त लगा और कंपनी पूरी तरह उबर नहीं पाई। हालांकि भारत पर लगे तकनीक-हस्तांतरण प्रतिबंध वाले काल के दौरान सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे कि अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति करती रही। अब भारत ने एससीएल को व्यावसायिक इकाई की तरह से चलाने का फैसला लिया है। किंतु इसके लिए धन, तकनीक और नेतृत्व प्रदान करने की जरूरत है।

शुरुआत काफी पहले करने के बावजूद भारत सेमीकंडक्टर लहर का पूरी तरह फायदा उठाने से चूक गया। गैरवाजिब निवेश, कमजोर स्वदेशी मांग, वैश्विक धंधे की बदलती गतिशीलता इत्यादि से हम पिछड़ते गए। इस क्षेत्र में तकनीक बहुत तेजी से बदलती है और इससे कदम मिलाना एक सामरिक जरूरत है। वेदांता की प्रस्तावित इकाई 28 नैनो नॉड्स तकनीक पर आधारित होगी। इससे सीपीयू, ग्राफिक प्रोसेसर्स, नेटवर्क चिप्स, स्मार्टफोन्स, कार और इंटरनेट में प्रयुक्त होने वाली चिप्स बनाई जा सकेंगी। हालांकि ताईवान और दक्षिण कोरियाई कंपनियां पहले ही कहीं ज्यादा सूक्ष्म नॉड्स यानि 3 नैनोमीटर पर काम कर रही हैं।

एससीएल ने काम 5 माइक्रॉन्स (5000 नैनोमीटर) से शुरू किया था और स्वदेशी संवर्धन तकनीक से 1.2 माइक्रॉन (1200 नैनोमीटर) करने की प्रक्रिया चली हुई थी, जब आग लगी। उस समय विश्व की अग्रणी चिप्स निर्माण इकाई केवल एक पीढ़ी आगे यानी 0.8 माइक्रॉन (800 नैनोमीटर) पर काम कर रही थी। अगले एक दशक से कम समय में एससीएल ने विदेशी तकनीक अपनाई और तकनीक-अंतर कम होता गया क्योंकि आरंभ से ही इसका अपना अनुसंधान एवं विकास विभाग बहुत सुदृढ़ था। इस विधा में किसी इकाई का खुद की तकनीकी क्षमता के बिना बाजार की दौड़ के मुताबिक चाल बनाए रखना संभव नहीं है। इसके लिए बहुत बड़े स्तर पर अनुसंधान एवं विकास पर निवेश की आवश्यकता होती है। फिलहाल वेदांता का प्रस्तावित संयुक्त उपक्रम अनुसंधान एवं विकास को लेकर खामोश है। अभी यह ज्ञान नहीं है कि क्या इसमें किसी तरह का तकनीक-हस्तांतरण है या नहीं। उम्मीद करें कि भारत दूसरी बार मौका नहीं चूकेगा।

गहलोत : सासू छोटी, बहू बड़ी

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लाख मना करें कि उन्होंने अपने कांग्रेस विधायकों को नहीं भड़काया है लेकिन उनकी इस बात पर कौन भरोसा करेगा? उनके 92 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे सौंपकर वह काम कर दिखाया है, जो मेरी याददाश्त में कांग्रेस तो क्या, किसी भी पार्टी के राज्य में ऐसा कभी नहीं हुआ। पहले कई बार दल-बदल हुए हैं, सरकारें गिरी हैं लेकिन किसी पार्टी की इज्जत इस तरह से पहले कभी नहीं गिरी। सोनिया-राहुल कंपनी सपने में भी नहीं सोच सकती थी कि उनके अपने कर्मचारी उन्हें शीर्षासन करा देंगे। यदि अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बनने के पहले ही यह करिश्मा दिखा सकते हैं तो अध्यक्ष के तौर पर तो वे माँ-बेटे की मिल्कियत को भी उलटवा सकते हैं। राजस्थान में हुए घटना-क्रम की यही व्याख्या दिल्ली से भेजे गए दूत अब लौटकर पार्टी मालिकों को देंगे। गहलोत अपने हाथ झाड़ना चाहेंगे लेकिन लगता यह है कि अब उनका अध्यक्ष पद ही झड़ जाएगा। यदि सोनिया अब भी गहलोत को अध्यक्ष बनाने पर आमादा होंगी तो वह बहुत बड़ा खतरा मोल लेंगी। यदि गहलोत अब राजस्थान के मुख्यमंत्री ही बने रहे तो भी वे गले की फांस बन जाएंगे। उनका कद माँ-बेटे से भी ऊँचा हो गया है। गहलोत के लिए यह मारवाड़ी कहावत लागू हो रही है- गोड़गड़ी रे, गोड़गड़ी। सासू छोटी, बहू बड़ी।। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के जो पिछले तीन-चार चुनाव हुए थे, उनमें भी रोचक नौटंकियां हुई थीं लेकिन इस चुनाव ने सिद्ध किया है कि देश की पार्टियों में अब आंतरिक लोकतंत्र की शुरुआत हो रही है। राजस्थान के कांग्रेसी विधायकों ने जो सत्साहस किया है, वह सभी पार्टियों के शीर्ष नेताओं को संदेश दे रहा है कि आप अपनेवाली चलाना बंद कीजिए। ऊपर से मनचाहे चहेतों को थोपना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि माँ-बेटा नेतृत्व गहलोत के साथ दुर्व्यवहार करेगा तो राजस्थान से भी कांग्रेस का सफाया वैसा ही हो जाएगा, जैसा कि पंजाब से हुआ है। राजस्थान में चली यह नौटंकी सबसे ज्यादा खुश किसे कर रही होगी? शशि थरुर को! और सबसे ज्यादा दुखी, किसको? राहुल गांधी को! क्योंकि राहुल ने ही केरल से मंत्र मारा था कि 'एक आदमी, एक पद'। अब आदमी और पद, दोनों ही हवा में लटक गए हैं। गहलोत चाहे तो अपनी नई पार्टी खड़ी करके राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। वे अन्य कई कांग्रेसी नेताओं की तरह अपने 92 विधायकों को लेकर भाजपा में भी शामिल हो सकते हैं। इस घटना ने गहलोत को महानायक की छवि प्रदान कर दी है। गहलोत ने राहुल गांधी को केरल में करेले का रस पिला दिया है। अब राहुल को तुरंत दिल्ली आकर भारत जोड़ो की बजाय कांग्रेस जोड़ो अभियान चालू करना पड़ेगा।

चीते आए, सब चेते और भरमाए

चीते आने की खबर से पता चला कि हम इतने दशकों से उनके बिना भी रफ्तार पकड़े हुए थे। हमारे यहां तो अलग-अलग नस्ल के बब्बर शेर भी बहुतेरे हैं। कहां विशाल चेहरे, यशस्वी बाल वाले प्रभावशाली, लोकतांत्रिक स्वतंत्र शेर और कहां चौबीस घंटे निगरानी में रखे जाने वाले चीते। बेशक हमारे यहां जंगली जानवर कम हैं, कुछ की तो पूरी छुट्टी कर दी हमारे वन प्रेमियों ने पर उससे क्या फर्क पड़ता है। हमारे यहां तो सामाजिक जानवर बहुत हैं और उनकी उत्पत्ति, रफ्तार और व्यक्तित्व-आभा दिन-रात चौगुनी तरक्की कर रही है।

जानवर कहो या पशु, एक ही बात है लेकिन अगर अंग्रेज़ी में 'सोशल एनिमल' कहा जाए तो शालीनता आ जाती है। सोशल शब्द है ही ऐसा। हमारे यहां अधिकृत और पंजीकृत 'सोशल एनिमल्स' ने ज़िम्मा लिया हुआ है। इनका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। दिक्कत ज़रा-सी यह है कि 'एनिमल्स' होते हुए भी इन्हें 'जानवर' नहीं कह सकते। वे चीतों से कम नहीं, ज्यादा हैं। राज, अर्थ, धर्म और शर्म के जंगल में नंगे होकर दौड़ते हैं। हो सकता है चीता गलत दिशा में भागना शुरू कर दे लेकिन ये कभी फ़ालतू दौड़-भाग नहीं करते।

हम तो पहले से उच्चस्तरीय वन्य जीवन प्रेमी हैं तभी तो वृक्ष कटवाकर सड़कें बनवाते हैं, कॉलोनियां खड़ी करते हैं। प्लास्टिक, रबड़ के फूल-पौधे उगा रहे हैं। अब संभवतः नए स्वाद में, वन्य जीव प्रेम प्रस्फुटित करने के लिए चीते लाए गए हैं। हो तो सकता है, विदेशी चीतों से प्रेरित होकर स्वदेशी प्रेम जागृत हो जाए।

विशेषज्ञ बताते हैं कि, चीते परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लेते हैं यानी वे आदमी से बेहतर हैं लेकिन यहां तो बंदा अपनी परिस्थिति को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए शेर की तरह बर्ताव करता है। हो सकता है इस मामले में भी विदेशी चीतों से सीख लें। अब चीते हमारे हैं। यह हमारी संस्कृति के विरुद्ध होगा कि विदेशी नामों के साथ जिएं, इन्हें अविलम्ब बदल देना चाहिए। चीता विशेषज्ञों द्वारा वर्षों तक कितना सर्वे- अध्ययन कर, योजना बनाकर संभावित व कालजयी परिवर्तन लाने की खातिर इन्हें यहां लाया गया है। इतना तो कभी मानव विकास बारे भी नहीं सोचा होगा।

वैसे तो हमें अब सिर्फ विकसित आदमी की ही ज़रूरत है तभी चीतों की रिहाइश के अड़ोस-पड़ोस से इंसानी झाड़ियां साफ़ कर दी गई हैं। वास्तव में वे इंसान हैं भी नहीं जो उनकी परवाह की जाए। चीतों की बातें राजनीतिक चीते ज्यादा जानते हैं। वैसे भी एक राजनीतिज्ञ चीता हो सकता है मगर चीता राजनीतिज्ञ नहीं हो सकता।

देश की आजादी ही रहा जिनका जीवन दर्शन

पराधीनता के तमस काल पर चर्चा हो और संघर्ष की मशाल प्रज्वलित करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का जिक्र न हो, ऐसा तो संभव ही नहीं। स्वतः ही मानस पटल पर चित्रित होने लगती हैं वे दिव्य विभूतियां, जिन्होंने स्वाधीनता की बलिवेदी में सर्वस्व आहूत कर डाला। स्वतंत्रता प्राप्ति ही जिनके जन्म का प्रथम एवं अंतिम ध्येय रहा, ऐसे शूरवीरों में सरदार भगतसिंह का नाम सर्वोपरि है।

हसरत मोहानी के नारे 'इंकलाब जिंदाबाद' को सार्थक सिद्ध करने वाले भगतसिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को पंजाब के जिला लायलपुर (अब पाकिस्तान) स्थित गांव खटकड़ कलां में हुआ। जन्म के कुछ समय पश्चात ही स्वतंत्रता सेनानी पिता के लाहौर जेल से छूटने का शुभ समाचार मिला, तीसरे दिन दोनों चाचा भी जमानत पर रिहा हो गए, सरदार किशन सिंह व विद्यादेवी के इस 'भागों वाले' शिशु को नाम दिया गया 'भगतसिंह'।

भगत सिंह को देशभक्ति विरासत में मिली। बाल्यावस्था से ही देश को स्वाधीन कराने की भावना पल्लवित होने लगी। लाला लाजपतराय तथा अंबा प्रसाद सरीखे क्रांतिवीरों से सम्पर्क होते ही भीतर कुलबुलाता ज्वालामुखी प्रखर हो उठा। मात्र 14 वर्ष की उम्र में भगतसिंह पंजाब की क्रांतिकारी संस्थाओं से जुड़ने लगे। आरम्भिक शिक्षा डीएवी से ग्रहण करने के उपरांत आगामी अध्ययन केंद्र नेशनल कॉलेज लाहौर बना, जहां यशपाल, भगवतीचरण, सुखदेव, रामकिशन, तीर्थराम, झंडासिंह आदि स्वतंत्रता सेनानियों से संपर्क हुआ। लाला लाजपतराय तथा परमानंद के ओजस्वी व्याख्यानों से देशप्रेम की बेल पोषित होने लगी।

13 अप्रैल, 1919 को वैसाखी वाले दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में शांतिपूर्ण ढंग से 'रौलेट एक्ट' का विरोध कर रहे निहत्थे जनसमूह पर ब्रिटिश शासन ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इससे भगत सिंह का रोम-रोम सिहर उठा। वह रक्त-रंजित मिट्टी हाथ में ले उन्होंने समूचा जीवन मातृभूमि के नाम कर दिया।

1923 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात अभिभावकों द्वारा विवाह का निर्णय अस्वीकार करते हुए वे कानपुर रवाना हो गए। परिवार के नाम छोड़े गए पत्र में लिखा था-'मेरा जीवन एक महान उद्देश्य के लिए समर्पित है और वह उद्देश्य देश की आजादी है...।'

सुरेशचन्द्र भट्टाचार्य, बटुकेश्वर दत्त, अजय घोष, विजय कुमार सिन्हा, चंद्रशेखर जैसे क्रांतिकारियों से परिचय होने पर उन्होंने पंजाब तथा उत्तर प्रदेश के क्रांतिकारियों को संगठित करना आरम्भ किया। अगस्त, 1925 को 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' के सदस्यों द्वारा पार्टी के लिए

धन एकत्रित करने के उद्देश्य से हरदोई से लखनऊ जा रही 8 डाउन रेलगाड़ी के खजाने को लूटा गया। 'काकोरी कांड' में संलिप्त कुछ क्रांतिकारी गिरफ्तार कर लिए गए। वहीं 1925 के अकाली आंदोलन में भगतसिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। काले कानूनों के विरोध में 'पगड़ी संभाल जट्टा' की देशव्यापी गूंज उठी। एक मार्च, 1926 को लाहौर में नौजवान सभा गठित की। 30 अक्तूबर, 1928 को लाहौर पहुंचे साइमन कमीशन का, लालाजी के नेतृत्व में क्रांतिकारियों द्वारा डटकर विरोध किया गया। बौखलाई ब्रिटिश सरकार ने बम-विस्फोट करने का झूठा आरोप मढ़कर भगतसिंह के नाम गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

भगतसिंह की पहचान मात्र एक क्रांतिकारी तक ही सीमित न रही; एक अध्ययनशील दार्शनिक, लेखक, पत्रकार, श्रेष्ठ वक्ता व न्यायप्रिय मानव के रूप में भी वे खासे चर्चित रहे। उन्होंने फ्रांस, आयरलैंड तथा रूसी क्रांति का विषद् अध्ययन किया। हिन्दी, उर्दू, अंग्रेऽजी, संस्कृत, पंजाबी, बांग्ला तथा आयरिश भाषाओं पर उनकी अच्छी पकड़ थी। 'अकाली' तथा 'कीर्ति' नामक दो अखबारों के संपादन सहित उन्होंने इन्द्रविद्या वाचस्पति के 'अर्जुन' तथा गणेश शंकर विद्यार्थी के 'प्रताप' का कार्यभार भी बतौर संवाददाता संभाला। 'चांद' का मासिक जब्तशुदा फांसी अंक भगतसिंह की संपादन योग्यता का उत्कृष्ट उदाहरण है। भगतसिंह भारत में समाजवाद के प्रथम व्याख्याता थे। उन्होंने पूंजीपतियों को मजदूरों का शोषक बताया एवं निर्धनता को अभिशाप माना। स्वयं को 'नास्तिक' की संज्ञा देने वाले भगतसिंह के जीवन में तर्कशीलता का विशेष महत्व रहा।

जेल में गुजारे दो वर्षों के दौरान वे लेखन में सक्रिय रहे। सबूत के तौर पर मिली डायरी में नोट्स, कविताओं, व्यंग्य सहित टैगोर, टैनीसन, विक्टर ह्यूगो, कार्ल मार्क्स, लेनिन आदि के विचार भी संगृहित हैं। यह डायरी 'द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स' नाम से सम्पादित हुई। बधिर फिरंगी साम्राज्य तक आवाम की आवाज पहुंचाने के उद्देश्य से, भगतसिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर असेम्बली-प्रांगण में हल्का बम धमाका किया। पर्चे फेंककर नारे लगाए और स्वयं को पुलिस के हवाले कर दिया। जेल रिहाई के प्रत्येक प्रलोभन को अस्वीकार करते हुए भगतसिंह ने कहा कि 'राष्ट्र के लिए हम फांसी के तख़्ते पर लटकने को तैयार हैं ताकि यह सदैव हरा-भरा बना रहे।' दो वर्ष कानूनी लड़ाई के पश्चात, 7 अक्तूबर, 1930 को भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई गई। जनाक्रोश से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने, 23 मार्च, 1931 को सायं, निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व ही भगतसिंह एवं साथियों को फांसी पर लटका दिया। फिरोजपुर के निकट, सतलुज के किनारे चोरी-छिपे शवदाह कर दिया गया।

केवल करीब 23 वर्ष जीने वाले भगतसिंह की वैचारिक परिपक्वता और लक्ष्य के प्रति दृढ़ता विलक्षण उपलब्धि थी। युवाओं के प्रेरणापुंज भगतसिंह का स्वाधीनता व सुशासन ही जीवन-दर्शन रहा।

लेखक :- दीपिका अरोड़ा

जिले में चल रहे सट्टे का पुलिस ने किया खुलासा

20 आरोपियों को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

मल्हारगढ़ स्थित अठवाल मोहल्ले में भाजपा जिला महामंत्रियों की शह पर चल रहे जुएं खाने का खुलासा होने के बाद मंगलवार को पुलिस ने दबिश दी। हालांकि पुलिस को यहां से कुछ हाथ नहीं लगा। जुआ घर संचालन के वीडियो के आधार पर पुलिस ने चार गुंडों को गिरफ्तार कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। चारों को जेल भेज दिया है। आरोपियों के खिलाफ जिलाबदर के साथ ही मंगलवार को दलौदा, भावगढ़, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनसे 14 बाइक ओर सात मोबाइल जब्त किए। वार्ड क्र. 8 अठवाल बस्ती मल्हारगढ़ में निगरानी बदमाश रजनीश पिता मांगीलाल, दिलीप उर्फ कालू पिता बंशीलाल अठवाल, राजेश पिता मदनलाल अठवाल अपने अन्य साथियों के साथ जुआघर संचालित कर रहे थे। निगरानी बदमाशों द्वारा थाने से 300 मीटर दूरी पर चलाए जा रहे जुआ घर का खुलासा मंगलवार को किया था। मंगलवार को ही पुलिस ने छापामार कार्रवाई की, लेकिन पुलिस को कोई कामयाबी नहीं मिली। स्ट्रिंग के माध्यम से बने वीडियो की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर राजेश अठवाल, दिलीप अठवाल, जितेंद्र उर्फ शैम्पू अठवाल के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर जेल भेज दिया। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने उन्हें जिलाबदर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

वहीं मंगलवार को पुलिस ने मल्हारगढ़ के अलावा दलौदा, भावगढ़ व सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर 14 बाइक व सात मोबाइल जब्त किए। एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया, भावगढ़ व दलौदा थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। इसमें महू नीमच हाईवे पर सोनगिरी में निर्माणाधीन दुकान पर चल रहे सट्टा घर पर दबिश दी। ढोढर निवासी सलीम पिता अब्दुल शेख (40), दलौदा निवासी मोइन पिता कबीरउद्दीन (28), रीछबच्चा निवासी मनोहर परिहार (60), सोनगरी निवासी शुभम राजपूत (22) को गिरफ्तार किया।

सट्टे का मुख्य संचालनकर्ता याकूब चाटी एवं अर्जुनसिंह पिता पर्वतसिंह फरार हो गए। आरोपी अर्जुनसिंह और शुभम राजपूत ने सट्टा घर संचालक याकूब चाटी को तीन हजार रुपए महीने पर दुकान किराये पर दी है। यहां याकूब व सलीम मिलकर सट्टा संचालित करते हैं। कार्रवाई के दौरान नकदी, 2 कैलक्यूलेटर, 3 मोबाइल, सट्टा रिकॉर्ड की 4 डायरियां सहित 50 हजार का हिसाब जब्त किया। इसी प्रकार भावगढ़ पुलिस ने ग्राम निबोंद में दबिश दी। जहां से पलासिया निवासी बन्नानाथ पिता मालानाथ (50), भंवरलाल पिता राजाराम (55), गुराड़िया शाह निवासी रामेश्वर पिता मागीलाल बागरी (40), खजुरिया सारंग निवासी देवराम पिता गौतमलाल पाटीदार (60) को गिरफ्तार किया। मौके से निंबोद निवासी प्रदीप पिता मोहनलाल जैन, दिलीप पिता बालूराम खारोल फरार हो गए। मौके से नकदी सहित सट्टा पर्चियां, 3 की पेड एवं 1 स्मार्ट मोबाइल फ़ोन, 12 बाइक, 1 साइकिल जब्त की।

इधर पुलिस ने क्रिकेट का सट्टा लगाते तीन को किया गिरफ्तार

क्रिकेट का सट्टा लगाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। सिटी कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया, सोमवार रात अभिनंदन नगर निवासी भूरा उर्फ नदीम पिता शकील खां (32) को गिरफ्तार कर 8 हजार 600 रुपए नगद जब्त किए। आरोपी के पास मिली डायरी में 6 लाख 20 हजार का एवं मोबाइल फोन में 74 लाख 87 हजार 600 रुपए का हिसाब मिला। अन्य मामले में अभिनंदन नगर निवासी राकेश चौधरी पिता कन्हैयालाल चौधरी (33) एवं अंसारी मोहल्ला खिलचीपुरा निवासी नासिर हुसैन उर्फ पीटर पिता शाकिर हुसैन अंसारी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 8 हजार रुपए एवं डायरी में 6 लाख रुपए तथा मोबाइल फोन में 13 लाख 20 हजार रुपए का हिसाब मिला। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अकबर मुल्तानी तथा सतीश रोचवानी एवं मोनू उर्फ आमिर अली, सतनामसिंह, नीमच निवासी पीयूष मलासिया को आरोपी बनाया है।

जिला आबकारी अधिकारी मंदाकनी की शह पर परोसी जा रही अवैध शराब

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जिला आबकारी की निष्क्रियता के चलते पूरा शहर नशे की चपेट में चल रहा है। जगह-जगह अवैध शराब के ठिकाने से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। जिला आबकारी को अवैध शराब कारोबारियों की जानकारी होते हुए भी उन पर कार्यवाही नहीं होती। ग्रामीण क्षेत्रों में तो शराब माफियाओं ने ग्राम को पूरी तरह नशे की जद में जकड़ लिया है। जिसके चलते गांव की जनता का जीना व रात के समय महिलाओं को घर से बाहर निकलना भी दुश्वार हो गया। शराब दुकानों के आस पास में रहने वाले को भी रोजाना इन शराबियों की हरकतों से जूझना पड़ता है। वहीं दूसरी और देखा जाए तो उमा भारती शराब बंदी कराने के लिए कितनी मेहनत कर रही है और जिले में बैठी जिला आबकारी मंदाकिनी दीक्षित खुद महिला होते हुए भी ग्रामीण क्षेत्र में अवैध शराब पर लगाम नही लगा पा रही है। गांव में नशेड़ी माहौल से महिलाए परेशान

ग्रामीण क्षेत्रों में शराब पर रोक नहीं लगा पा रहे जबकि चाहे तो सब कुछ संभव है। इससे यह स्पष्ट है कि जिला आबकारी के बारे में लोगों ने अपने फेसबुक अकाउंट पर भी पोस्ट साझा की गई। मगर कई ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालो ने इन्हें दर्जनों बार कॉल कर अवैध गतिविधियों के बारे में अवगत कराना चाहा, मगर जिला आबकारी द्वारा फोन रिसीव न करने व कार्यवाही नहीं करने से यह स्पष्ट होता है कि, शासन से तनख्वाह लेकर किस प्रकार से शराब माफियाओं से गठजोड़ कर किस हद तक अवैध शराब सप्लाई जा सकती है। आबकरी अगर नियमित माफिया पर कार्रवाई करें तो तनखाह से मिलने वाली मासिक आमदनी का नुकसान हो जाए, शायद इसलिए फोन रिसीव नही करते व कार्रवाई करने में आनाकानी करती है।

अगर हम बात करे शुजालपुर क्षेत्र के ग्रामीण की तो शराब माफिया अपने मनमाने रेट में शराब विक्रय करते हैं। जो की एमआरपी से अधिक रेट हे। ग्रामीण जन के द्वारा शुजालपुर आबकारी अधिकारी को फोन कर अवगत कराया जाता है तो साहब के द्वारा शराब माफिया पर छोटी मोटी कार्यवाही कर कर चले जाते है और शराब माफिया उनके जाने के चंद मिनटों बाद फिर से अपना करोबार चालू कर देते।

भाजपा ने कांग्रेस के नगर परिषद अध्यक्ष पर कार्रवाई के लिए दिया ज्ञापन

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर मे 15 वर्ष बाद बनी कॉंग्रेस की परिषद जहाँ भाजपा सत्ता मे हुआ करती थी। वहीं भाजपा विपक्ष कि भूमिका निभा रही है। परिषद बनने के बाद ही सत्ता और विपक्ष मे खींचतान शुरू हो गई। भाजपा पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधियों ने मिलकर कलेक्टर के नाम मुख्य नगरपालिका अधिकारी भानपुरा को नगर परिषद अध्यक्ष विनोद कुमार (शिव) भानपिया के ऊपर कार्रवाई करने हेतु ज्ञापन दिया। जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष विनोद कुमार शिव भानपिया द्वारा भानपुरा नगर में विकास कार्यों के कामों में अपना दायित्व का पालन निर्वहन नहीं करने पर पत्र दिया। पत्र मे बताया गया कि, नगर विकास को लेकर आज तक बैठक आयोजित नहीं कि गई। वार्ड क्र. 1 व 9 मे विकास कार्य को लेकर प्रशासनिक स्वकृति होने के बावजूद भी निविदा जारी नहीं की गई। आंगनवाडी की दर स्वकृति को लेकर जो बैठक स्थगित की थी वो भी दुबारा नहीं आयोजित नही की गई। अध्यक्ष अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन नहीं करें है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि, नगर के विकास कार्य हेतु सभी पार्षदों का सुझाव लेने के पश्चात बैठक बुलाकर विकास कार्य करवाएं। कलेक्टर से मांग की गई है कि, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भानपुरा को आदेशित करें कि विकास कार्यों के लिए सम्मेलन आयोजन करें एवं नगर परिषद अध्यक्ष भानपुरा अपने दायित्व का निर्वहन नहीं करे तो अध्यक्ष के ऊपर कार्रवाई करे।

कांग्रेस भी आई सामने

ज्ञापन की कार्रवाई के बाद कांग्रेस भी दमदारी से सामने आ गई। नगर परिषद सभापति सुभाष बाग़डी ने सोशल मिडिया के माध्यम जवाबी कार्रवाई मे बताया कि, भानपुरा नगर परिषद के कुछ पार्षद प्रतिनिधि एवं पार्षदो द्वारा वर्तमान परिषद द्वारा विकास कार्य नहीं कराए जाने संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी को एक पत्र देकर नगर की विकास की चिंता है, का एहसास दिलाने लगे 15 वर्ष भाजपा की नगर परिषद रही 2 वर्ष प्रशासक नियुक्त रहे। जब विकास कार्यों की गति दिखाई नहीं दे रही थी। आज कांग्रेस परिषद बने 1 महीने 15 दिन हुए और विपक्षी पार्षदों को विकास की बातें याद आने लगी। हालांकि ऐसा लगता है कि मलाई खाने को नहीं मिल रही है। भ्रष्टाचार मुक्त नगर पालिका हो जाने से अब अपनी काली कमाई जेब में नहीं आ रही तो तड़पने लगे।

आंगनवाड़ी भवन को लेकर परिषद में बैठक हुई आंगनवाड़ी भवन ऐसी जगह बनाए जा रहे थे जो वार्ड से काफी दूर है। उसको लेकर वर्तमान परिषद ने स्थल निरीक्षण के लिए सीएमओ को बैठक में निर्देशित किया। बैठक में यह तय हुआ कि, संबंधित वार्डो में जो आंगनवाड़ी बनना है उनका निरीक्षण करा कर जगह चिन्हित कर ली जायेगी। लेकिन आज दिनांक तक कोई स्थल निरीक्षण नहीं कराया गया। नगर परिषद में कितना पैसा किस मद मे है इसको लेकर किसी भी विपक्षी पार्षद ने सीएमओ से आज तक जानकारी नहीं ली। आए दिन कुछ न कुछ शिकायत करके अध्यक्ष एवं कांग्रेस पार्षदो को नीचे दिखाने का और कांग्रेस की परिषद को काम करने में बाधा उत्पन्न करके कार्य किया जा रहा है।

थाना प्रभारी बघेला ने अपराधियों पर लगाया अंकुश

माही की गूंज, शुजालपुर।

पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर के आते ही क्षेत्र में चोरी व अवेध कामों में पूरी तरह जिले में लगाम लगा दी गई थीं। उन्ही के इशारे पर चलकर थाना प्रभारी संतोष कुमार बाघेला ने भी शुजालपुर में पूरी तरह अपराध को जड़ से खत्म करने का फैसला ले लिया है और उनके आने वाले हर क्षेत्र में वो तबा तोड़ कार्यवाही कर रहे हैं। जिससे जनता में किसी प्रकार का भय नहीं है। संतोष बघेला अपनी पूरी मेहनत लगन और ईमानदारी से कार्य कर रहे, जिसको लेकर आम जनता उनको धन्यवाद भी दे रही है और हर चौराहे पर थाना प्रभारी संतोष बघेला की कार्यवाही के चर्चे आम जन के मुंह पर बने रहते हैं। क्षेत्र में हुई कई बड़ी चोरियो का खुलाशा कम समय लेते हुए करा और चोरों से मॉल भी बरामद करने में सफलता हासिल की संतोष बघेला ने हर एक गलत कार्य पर पूरी तरह रोक लगा दी। चाहे वो चोरी, जुआ, सट्टा जेसे सभी अवेध गति विधियों पर पूरी तरह पुलिस प्रशासन ने लगाम कश दी है। जिसको लेकर अपराधियों में खौफ पैदा हो गया और वो किसी भी अवेध कार्य कर ने से पहले कई बार सोचते हैं।

विभागीय अफसरों की लापरवाही से जिले में बेकाबू हुआ लंपी वायरस

माही की गूंज, मंदसौर।

लंपी वायरस से प्रदेश में सबसे ज्यादा 26 गोवंशों की मौत मंदसौर जिले में हुई। तो वहीं संक्रमित गोवंशों का आंकड़ा भी एक हजार 327 तक पहुंच गया है। वहीं आधे से अधिक गांवों में लंपी पहुंच चुका है। वहीं इसकी रोकथाम के लिए वैक्सीनेशन की धीमी रफ्तार और फील्ड में विभागीय अमले और अधिकारियों की अनुपस्थित लापरवाही बया कर रही है। जिले में ढाई लाख गोवंश है लेकिन अब तक सिर्फ 37 हजार का ही वैक्सीनेशन हो पाया है। राजस्थान सीमा से सटा होने के कारण मंदसौर जिला प्रदेश में हाईअलर्ट पर है। खुद सीएम कई बार समीक्षा कर चुके है, लेकिन विभाग अब भी फील्ड में गोवंशों की स्थिति देखने के बजाए अपने दफ्तर में बैठकर सिर्फ आंकड़े ही जुटा रहा है। इसके साथ ही जब राजस्थान के अलावा रतलाम जिले में लंपी का संक्रमण जब पैर पसार रहा था तब पशुपालन विभाग गोवंशों की सुरक्षा और पशुपालको से लेकर गोशाला संचालको को सलाह व सावधानी देने के बजाए अपने दफ्तर में आराम फरमा रहा था। इसी का नतीजा है कि अब जिले में लंपी पीक पर है और बेकाबू हो गया है।

लंपी अपनी जगह, अफसरो का है अपना प्रोटोकॉल

लंपी भले ही तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन पशुपालन विभाग के जिले में बैठे अधिकारियों का अपना प्रोटोकॉल है। वहीं फील्ड में निकलने को तैयार नहीं है। कहने को तो हेल्पलाइन नंबर जारी कर रखे है लेकिन ना तो हेल्पलाइन पर कोई फोन उठा रहा है और ना ही अधिकारी खुद के फोन उठा रहे है। इतना ही नहीं खुद फील्ड में निकलने के बजाए लोगों को ही दफ्तर में बुला रहे है। गोवंशों में तेजी से फैल रहे लंपी वायरस के बीच अधिकारी एडवाइजरी जारी कर कागजों में ही अपनी तैयारियां पुख्ता बता रहे है और अपने प्रोटोकॉल से बाहर नहीं निकल पा रहे है। अधिकारियों के इस रवैए के कारण पशुपलको से लेकर गोशाला के संचालक भी परेशान है तो वहीं सडक़ो पर घुमने वाले गोवंशों को लेकर सिर्फ निकायों को चिठी लिखकर पशुपालन विभाग अपनी जवाबदेही से दूर हो गया। कई पशुपालक व सामाजिक संगठन गोवंशों के उपचार से लेकर उनकी देखभाल के लिए आगे आए है और दिनरात मेहनत कर रहे है लेकिन जिले का पशुपालन विभाग के लापरवाह रवैए के कारण संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

संक्रमण की रफ्तार से पशुपालक घबराए

अफसर बेफिक्र है जिसे तेजी से जिले में लंपी वायरस फैला है। उससे पशुपालन भले ही चिंता में है। लेकिन विभागीय अधिकारी बेफिक्र है। वर्तमान में जिले के 454 गांवों तक लंपी वायरस फैल चुका है और लंपी वायरस की जद में एक हजार 327 गोवंश आ चुके है। इनसें से 26 गायों की मौत हो चुकी है। लेकिन विभाग सिर्फ इसी बात से राहत में है कि इसमें से एक हजार 287 गोवंश स्वस्थ हो चुके है और 37 हजार वैक्सीनेशन हुआ है।

महाकाल परिसर अब जाना जाएगा महाकाल लोक के नाम से - मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे प्रथम चरण के विकास कार्यों का लोकार्पण

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन में मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर बताया कि, महाकाल परिसर में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक कार्य सम्पन्न हुए हैं। हमारे लिए गर्व का विषय है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। महाकाल परिसर के सम्पूर्ण क्षेत्र का आकर्षक सौंदर्यीकरण किया गया है। रूद्र सागर पुनर्जीवित हो गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रियों को महाकाल परिसर परियोजना के कार्यों से अवगत करवाते हुए कहा कि, पिछले सिंहस्थ के बाद यह विचार आया कि महाकाल परिसर का विस्तृत विकास किया जाए। इसके लिए वर्ष 2017 में सभी वर्गों के साथ मिल कर परिसर विस्तार की योजना बनाई गई। परिसर विस्तार के प्रथम चरण में 351 करोड़ रूपए के कार्य हो चुके हैं। दूसरे चरण के लिये 310 करोड़ 22 लाख के कार्य किए जाएंगे। आज हमारा पहला निर्णय यही है कि, महाकाल परिसर 'महाकाल लोक' के नाम से जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाकाल महाराज के चरणों में प्रणाम करते हुए देश, प्रदेश के कल्याण, सभी के सुखी और निरोग होने के साथ सबकी मंगल कामनाओं प्रार्थना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, महाकाल महाराज उज्जैन के राजा हैं और हम लोग सेवक हैं। हम सेवक के नाते महाकाल महाराज की नगरी में आज की बैठक कर उनसे प्रार्थना कर रहे हैं, कि उनकी कृपा और आशीर्वाद हम सब पर बना रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, उज्जैन में महाकाल महाराज की सवारी पुलिस बैंड के साथ निकलती है। हम महाकाल पुलिस बैंड प्रारंभ करेंगे, जिनका उपयोग विभिन्न त्यौहार और पर्व पर किया जाएगा। इसके लिए 36 नए पद सृजन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, हम सबके लिए यह ऐतिहासिक पल है। वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार थी, उस समय यह विचार आया था कि महाकाल परिसर का विस्तार किया जाए। इस संबंध में नागरिकों, मंदिर समितियों और स्टेक होल्डर से चर्चा कर परिसर के विस्तार की योजना बनाई गई। इसके आधार पर हमने डीपीआर का काम एक साल में पूरा किया। प्रथम चरण के कार्य के लिए मंत्रि-परिषद में भी चर्चा हुई थी। प्रथम चरण के लिए वर्ष 2018 में टेंडर बुलाए थे। बाद में सरकार बदलने के कारण काम सुप्तावस्था में चला गया लेकिन हमने वर्ष 2020 में उज्जैन का दौरा कर विस्तार से कार्य की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, महाकाल परिसर विस्तार के लिये हमने दो चरण तय किये, प्रथम चरण 351 करोड़ रुपये का था, फिर हमने द्वितीय चरण के लिए 310 करोड़ रुपये स्वीकृत किये। परिसर विस्तार के कार्य में कई मकान विस्थापित किये। हमने 150 करोड़ रूपये की लागत से विस्थापन कार्य किया। विकास कार्यों की लम्बी श्रंखला है। रूद्रसागर के पुनर्जीवित होने से इसमें क्षिप्रा नदी का पानी रहेगा। मंदिर में लाइटिंग और साउंड सहित महाकाल पथ का निर्माण किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, दूसरे चरण में भी अनेक कार्य पूर्ण होने हैं। ये सभी कार्य महाकाल महाराज ही करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के साथ जनता के कल्याण के लिए हमें विचार आया कि महाकाल महाराज की नगरी में बैठक की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लगभग 200 वर्षों बाद पहली बार ऐसा मौका आया है कि सरकार सेवक के रूप में उज्जैन में बैठक कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज हम एक सैद्धांतिक फैसला करते हैं कि नर्मदा जी का जल सदैव क्षिप्रा जी में आएगा। कल-कारखानों का जो दूषित जल है, उसको डायवर्ट करने का काम चल रहा है। क्षिप्रा नदी के किनारे रिवर फ्रंट भी विकसित किया जाएगा, जिससे उज्जैन का अलग रूप निखरेगा।

आखिर कहां है शासकीय सर्वे नम्बर 105, राणा पुंजा भील की मूर्ति स्थापना को लेकर चल रहा विवाद

ग्राम पंचायत, जयस, भूमि स्वामी और आपत्तिकर्ता का जमीन पर दावा

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

ग्राम पंचायत बामनिया में जय आदिवासी संगठन द्वारा शिरोमणी राणा पुंजा की मूर्ति स्थापना करने की घोषणा के बाद। जिस शासकीय भूमि पर मूर्ति स्थापना की बात शुरू हुई वो विवादों में गहरा गई। सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से लग जाने वाले प्रतिमा जिस हलके के सर्वे नम्बर 105 पर लगनी थी वो विवादों में घिर गई है। अगर इस मामले की प्रशासन जांच करता है तो शासकीय भूमि के खरीद फरोख्त के बड़े खुलासे होना तय है।

क्या है मामला

जयस के द्वारा बामनिया ग्राम के सर्वे नम्बर 105 पर मूर्ति स्थापना करने की योजना थी। उक्त भूमि पहले निजी समझ कर भूमि स्वामी की अनुमति ली गई जिसके बाद उक्त भूमि पर न्यायालय में प्रकरण लम्बित होने की जानकारी सामने आई और लीला बेबा संतोष डामोर द्वारा मूर्ति स्थापना पर आपत्ति दर्ज करवाते हुए मामला न्यायालय में होने की बात कही और ग्राम पंचायत में आवेंदन दिया। जिसके बाद ग्राम पंचायत ने कार्य अनुमति जयस को नही दी। आपत्तिकर्ता लीला डामोर का कहना है कि, सर्वे 109/3 का दावा लगा रखा है और रेकॉर्ड में शासकीय बताया जा रहा, सर्वे नम्बर 105 भी पूर्व से हमारा था। इधर जयस द्वारा ग्राम पंचायत बामनिया पर मूर्ति स्थापना हेतु अनुमति नही देने का आरोप लगा रहा है।

ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड ने इस सम्बध में बताया कि, शासकीय भूमि पर मूर्ति लगने से हमे कोई आपत्ति नही है, लेकिन भूमि के स्वामित्व को लेकर विवाद और आपत्ति है जिसके लिए संगठन को अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद से विधिवत अनुमति लेकर चयनित स्थान पर मूर्ति लगाने को कहा गया है। बुधवार को जयस के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को आवेंदन देकर मूर्ति स्थापना के लिए शासकीय सर्वे नम्बर 105 पर अनुमति देने की मांग की।

राणा पुंजा की मूर्ति स्थापना हेतु जयस द्वारा मांगी गई भूमि।

पूर्व सरपंच नाथू कटारा पर भूमि पर रेत के ढेर लगा कर अवैध कब्जे की शिकायत वाली भूमि।

आखिर कहा गया शासकीय सर्वे नम्बर 105, कही भू-माफियाओ की भेंट तो नही चढ़ गई भूमि

नगर में स्थित शासकीय सर्वे नम्बर राजस्व रेकॉर्ड के अनुसार रतलाम रोड से मेला ग्राउंड क्षेत्र से लगा हुआ बताया जा रहा है। लेकिन उक्त शासकीय भूमि कही नजर शासकीय रेकॉर्ड अनुसार नही आ रही है। अब सवाल ये खड़ा हो रहा है कि, आखिर शासकीय सर्वे नम्बर 105 है कहा...? जिस भूमि को शासकीय सर्वे नम्बर 105 की भूमि होने का दावा किया जा रहा है उसे लीला डामोर द्वारा स्वयं की निजी बताया जा रहा है और उनके पास ग्वालियर राजस्व का रिकॉर्ड भीं मौजूद है। जिसके आधार पर मामला न्यायालय में वर्तमान में लंबित है। सर्वे नम्बर 105 ओ उसके आसपास के सर्वे नम्बर को निजी बता कर प्लाट बेच दिए गए है। अगर शासकीय सर्वे नंबर का सीमांकन होता है तो, इस मे बड़ा खुलासा होने की सम्भावना है। वर्तमान में रतलाम रोड से लगी भूमि की कीमत करोड़ो में हो चुकी है और भू-माफियाओ की नजर ऐसी भूमि पर लगी हुई है।

विधवा महिला ने पूर्व सरपंच पर लगाया कब्जे का आरोप

मूर्ति को लेकर मामला सामने आने के बाद मेला ग्राउंड से शासकीय अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग से भूमि लगी हुई है। उक्त भूमि पर बालू रेत के ढेर लगने के बाद विधवा महिला लीला डामोर ने उक्त भूमि को निजी बताते हुए ग्राम पंचायत भेरूगढ़ के पूर्व सरपंच नाथू कटारा पर भूमि पर अवैध कब्जा करने की नीयत से भंडारण कर रेत का अवैध व्यापार करने का आरोप लगाते हुए बताया कि, भूमि उसकी निजी है और मामला न्यायालय पेटलावद में चल रहा है। महिला ने चौकी बामनिया में आवेंदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारीनुसार उक्त भूमि की रजिस्ट्री हो चुकी है, भूमि विवादित है और मामला न्यायालय में है तो रजिस्ट्री कैसे हुई..? .क्या महिला द्वारा स्वयं की बताई जा रही भूमि और विवादित भूमि अलग है या एक ही है...? ये बड़ा सवाल है। ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड और सचिव ने बताया कि, शासकीय नम्बर 105 का सीमांकन करवाया जाएगा।

भूमि के निजी होने के दावे के साथ चौकी बामनिया पर लीला डामोर द्वारा प्रस्तुत आवेंदन।

जयस द्वारा ग्राम पंचायत बामनिया में शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 105 पर मूर्ति स्थापना की अनुमति हेतु प्रस्तुत आवेंदन।

जनता से किये वादों पर खरा उतरने का कर रहे प्रयास, सीसी रोड का किया उद्घाटन

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

पिछले 30 वर्षों में रही कांग्रेस की पंचायत में ग्रामीणजन पानी के लिए तरस गए थे, तो गंदगी के नाम पर मुंह पर कपड़ा बांधकर बाजार में निकालना पड़ता था। जगह-जगह कचरे का ढेर एवं नालियों में गंदगी पड़ी रहती थी, तो वही स्टेट लाइट के नाम पर घोर अंधेरा छाया रहता था। जिसका फायदा उठाकर चोर भी अपनी करनी में कामयाब हो जाया करते थे। लेकिन अभी महज 3 महीने भी नहीं हुए और भाजपा मय पंचायत ने अपना कार्य शुरू कर दिया ''जो जनता से वादा किया है वह तो निभाना ही पड़ेगा'' की तर्ज पर ग्राम पंचायत काकनवानी पर काबीज भाजपा समर्पित सरपंच श्रीमती शांता बाबू निनामा ने चुनाव जीतते ही साफ-सफाई अभियान शुरू कर दिया था। जो आज की तारीख में पूरे गांव में सुंदरता बनी हुई है, वही स्टेट लाईट को लेकर पूरा गांव जगमगा आ रहा है। ग्राम वासियों की मांगों को धीरे-धीरे कर पूरा किया जा रहा है, तो आसपास के फलियों में भी विकास कार्य शुरू कर दिया है। गरीब आदिवासियों को सरकार की सारी योजनाओं से लाभान्वित कर रहे है। अभी शिविर के माध्यम से भी पंचायत में बीपीएल कूपन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आधार कार्ड, शौचालय एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित कई योजनाओं के आवेदन लिए जा रहे हैं।

नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती सांता बाबू निनामा ने मंगलवार सुबह 11 बजे मेन रोड कॉलोनी से रमेश भगत के मकान तक का 15 विथ प्लस मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत सीसी रोड 3 फीट चौड़ाई एवं 200 फीट लंबाई, जिसकी लागत 4 लाख 79 हजार है का सरपंच श्रीमती सांता निनामा, सांसद प्रतिनिधि दिलीप कटारा, जिला कार्यकारिणी सदस्य मक्कन डामोर, पंच बिजिया बारिया, पंच बाबूलाल पंचाल, मंडल उपाध्यक्ष बाबू निनामा ने भूमि पूजन कर श्रीफल फोड़ा एवं गेती चला कर उद्घाटन किया। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री राहुल पंचाल, जोसब डामोर प्रकाश बारिया, शांतिलाल पंचाल, देवीसिंह निनामा के साथ सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित थे।

लंपी वायरस को देखते हुए पशु हाट पर लगी थी रोक, नए आदेश नही आने से पंचायत असमंजस में

माही की गूंज, सारंगी। शासन द्वारा लगी पशु हाट पर रोक का समय निकल जाने के बाद नए आदेश जारी नही होने से पशु हाट लगाने वाली ग्राम पंचायते परेशान ही रही है। नए आदेश के जारी नही होंने के कारण स्थानीय अधिकारियों ने ग्राम पंचायत को अनुमति नही दी। ग्राम पंचायत सरपंच फूंदीबाई द्वारा आज अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को आवेंदन देकर आगामी त्यौहारो और गेहूं-चने की फसल को देखते हुए, मुर्गा-मुर्गी और बकरा-बकरी के हाट लगाने की अनुमति की मांग की है। सरपंच फूंदीबाई ने बताया कि, क्षेत्र के सैकड़ो ग्रामीणों पशु की खरीदी बिक्री कर के लाभ अर्जित करते है और कई ग्रामीणों का ये मुख्य व्यवसाय बन्द पड़ा है। लंपी वाइसर को देखते हुए गाय-भेस के क्रय-विक्रय और हाट में रोक लगाए रखने की बात भी सरपंच ने की है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार की देर शाम को जिला स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के दौरान बैंकों के योगदान पर चर्चा की गई और अपेक्षित सहभागिता का अभाव होने से समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने निर्देशित किया कि, दूसरे दौर की कमी से दौरान खाता खोलने, जन सुरक्षा, जीवन ज्योति बीमा एवं अटल पेन्शन से संबंधित कार्य हेतु बैंक प्रतिनिधि अथवा बैंक मित्र/सखी की उपलब्धतता सुनिश्चित की जायें।

यह भी निर्णय लिया गया कि, प्रत्येक ग्राम पंचायत में बेसिक बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सखी की नियुक्ति सेवा क्षेत्र से संबंधित बैंकों से समन्वय कर शीघ्र नियुक्ति करवाने हेतु प्रयास किया जायें।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि जिले में लगभग 10 हजार से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते नहीं होने के कारण उन्हें जननी सुरक्षा एवं प्रसूती सहायता योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है ऐसे हितग्राहियों के बैंक खाते कैम्पो के माध्यम से खोलना सुनिश्चित किया जायें। बैठक में जिला स्थित सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे। साथ ही कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बडवानी आकांक्षी जिला है एवं वित्तिय समावेशन एक महत्वपूर्ण सूचकांक है अतः सभी बैंकर्स उनको दिये गये लक्ष्यों को पूर्ण कर जिले की आर्थिक प्रगति में सहयोग करें।

बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में लगभग 15 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को बैंक खाते आधार से सत्यापन नहीं होने के कारण लाभ से वंचित होने पर चर्चा में ज्ञात हुआ कि ऐसे हितग्राहियों को बैंक या कॉमन सर्विस सेन्टर पर जा कर आधार सत्यापन करवाना होगा।

फर्जी तरीके से पट्टे तैयार कर धोखाधड़ी करने वाले तत्कालीन लिपिक तहसील सेंधवा को गिरफ्तार कर भेजा जेल

माही की गूंज, बड़वानी।

थाना सेंधवा शहर पर नायब तहसीलदार श्री राहुल सोलंकी तहसील सेंधवा द्वारा अनावेदक कैलाश अत्रे एवं श्री भटोरे के विरुद्ध नजुल भूमि का अवैध तरीके से फर्जी पट्टा तैयार कर धोखाधडी करने बाबत् एसडीएम कार्यालय सेंधवा के कार्यालय से जारी पत्र पेश करने पर थाना सेंधवा शहर पर अपराध क्रमांक 189/22 धारा 420, 467, 468, 120 बी, 34 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

थाना प्रभारी राजेश यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देशन मे आरोपीगण की तलाश करते सुचना मुखबीर द्वारा सुचना मिली की श्री भटोरे तत्कालीन लिपिक तहसील सेंधवा इंदौर में हैं। मुखबीर सुचना पर टीम द्वारा तत्काल रवाना होकर इंदौर पहुंचे जहां मुखबीर बताये स्थान पर बताये हुलिये का व्यक्ति मिला जिससे नाम पता पुछने पर अनिल पिता यशवंतराव भटोरे निवासी वार्ड नंबर 1 हाउसिंग बोर्ड कालोनी देवझिरी रोड सेंधवा का होना एवं वर्ष 1984 से वर्ष 2020 में तहसील सेंधवा में लिपिक के पद पर पदस्थ होना एवं जुर्म स्वीकार करने पर आरोपी श्री भटोरे को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सेंधवा पेश किया गया जो न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेजा गया।

टीम मे निरीक्षक राजेश यादव, उनि रोहित पाटीदार, सउनि सतीश डावर, सउनि दिलीप मुवेल, आर. 587 मुकेश, आर. 585 प्रकाश, आर. 591 निरज डांगरे,आर. 639 विनोद पाटीदार, आर. 556 सतीश एवं समस्त थाना स्टाफ की विशेष भुमिका रही।

हिंदी पखवाड़े का किया समापन, विजेता प्रतिभागियो को किया पुरुस्कृत

माही की गूंज, बड़वानी।

नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़े का समापन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोकराटा मे किया गया समापन अवसर पर प्राचार्य माधव सिंह रावत ने उपस्थित जनो को सम्बोधित करते हुए कहा कि, हिंदी भाषा हमारी भारतीय संस्कृति की विरासत ही नहीं बल्कि, राष्ट्रीय एकता की पहचान भी है। भारत में हिंदी भाषा का प्रचार और प्रसार बढ़ाकर उसका विकास करना है। हिंदी विश्व की प्राचीन समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ-साथ भारत की राष्ट्रभाषा है।

नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सावन चैहान ने बताया कि, 14 से 28 सितंबर तक चले हिंदी पखवाड़ा अंतर्गत संगोष्ठी, निबंध लेखन सहित वाद-विवाद प्रतियोगिया का आयोजन युवाओं के मध्य किया था जिसमे प्रथम स्थान पर रहे कक्षा 9 वी के दीपक सिताराम द्वितीय रहे कक्षा 10 वी के कृष्णा एवं तृतीय रहे कक्षा 11 वीं के मुन्ना रावत को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र भेट कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान शिक्षक राजेश मालवीया, ममता परिहार सहित स्टॉफ उपस्थित रहा।

साबूदाना और सिंघाड़ा के तीन स्थानों पर लिए नमूने

माही की गूंज, खरगोन। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के आदेश पर डिप्टी कलेक्टर ओमनारायण सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा बुधवार जिले के तीन नगरों में खाद्य पदार्थो की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के पदेन अधिकारी श्री सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, नवरात्रि के त्यौहार के मद्देनजर बुधवार को खरगोन सहित सनावद और बड़वाह नगर में उपवास में प्रमुखता से प्रयुक्त होने वाले खाद्य पदार्थो की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अमले द्वारा खाद्य पदार्थों में साबूदाना और सिंगाड़ा आटे इत्यादि पर विशेष निगरानी रखते हुए नमूने लिए। सनावद में डी. मोतीलाल एन्ड सन्स से सोयाबीन तेल, सनावद में ही तुषार एजेन्सी से साबूदाना, सिंगाड़ा आटा और बड़वाह के मारवाड़ी मसाला भंडार से घी, साबूदाना ,चाय के नमूने लिए गए है। इन नमूनों की जांच के लिए राज्य स्तरीय प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। साथ ही अभिहित अधिकारी बड़कुल ने कहा कि, हाट बाजारो में विक्रय हो रही खाद्य सामग्री पर भी निगरानी की जा रही है। क्षेत्र के विभिन्न हाट बाजारों का आकस्मिक निरीक्षण कर जांच की जा रही है और स्वच्छ एवं शुद्ध खाद्य सामग्री विक्रय करने के निर्देश दिए जा रहे है।

पानी निकासी के नाले पर से हटाया गया अतिक्रमण

माही की गूंज, बड़वानी। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा को ग्राम तक्यापुर निवासी देवराम ने आवेदन देकर बताया था कि, उसके पुर्नवास स्थल के भूखण्ड के पास इंद्र पिता पुनिया का भूखण्ड है। उसके भूखण्ड के पास से पानी निकासी हेतु नाला जा रहा है। परन्तु इंद्र पिता पुनिया द्वारा मुरूम डालकर उक्त नाले पर अतिक्रमण कर लिया गया है। उसे नाले पर से अतिक्रमण हटाने को कहते है तो वह दुर्व्यवहार करता है।

कलेक्टर वर्मा के निर्देश पर एनवीडीए के कार्यपालन यंत्री एसएस चोंगड़ ने मौका स्थल पर जाकर दल-बल के साथ स्थल का निरीक्षण किया एवं पानी निकासी के नाले पर से अतिक्रमण को हटा दिया। शिकायतकर्ता देवराम ने पानी निकासी की उचित व्यवस्था होने पर कलेक्टर वर्मा, कार्यपालन यंत्री चोंगड एवं समस्त अधिकारी व कर्मचारियों को धन्यवाद दिया है।

मोटर सायकल चोरी के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर झोन इंदौर (ग्रामीण) राकेश गुप्ता एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड़ रेंज तिलकसिंह द्वारा वाहन चोरी की घटनाओ पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया गया था। निर्देशो के परिपालन में पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जितेन्द्र सिंह पवार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) मनीष खत्री जिला खरगोन के मार्गदर्शन मे जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व समस्त थाना प्रभारियो को प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। इसी तारतम्य मे थाना कोतवाली खरगोन पर मोटर सायकल चोरों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है।

14 सितंबर को फरियादी निवासी इदिरा नगर खरगोन ने थाना कोतवाली खरगोन पर सूचना दी की उसकी मोटर सायकल सीडी डीलक्स को कोई अज्ञात बदमाश चुराकर ले गये है। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 525/2022 धारा 379 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। गत दिवस मंगलवार को मुखबीर से सूचना मिली कि चोरी हुई मोटर सायकल को लेकर 03 संदिग्ध व्यक्ति उमरखी रोड किनारे खडे है। मुखबीर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताए हुलिये के तीनों व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकडा।

आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम अज्जु, कान्हा और प्रेम का होना बताया तथा मोटर सायकल के संबध मे बारिकी से पुछताछ करने पर पकडे गये व्यक्तियो द्वारा शिवडोला के दिन इदिरा नगर खरगोन से मोटर सायकल सीडी डीलक्स चोरी करना बताया। तीनों व्यक्तियों से सघन पुछताछ की गई जिसने थाना क्षैत्र में और अन्य 02 मोटर सायकिल अपने पास होना बताया गया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई मोटर सायकलों को विधिवत जप्त कर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा रहा है।

इन्हें किया गिरफ्तार

खरगोन पुलिस ने मोटर सायकल चौरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें अज्जु उर्फ अजय उर्फ शिवा पिता गब्बु दरबार उम्र 19 साल निवासी इन्द्रा नगर खरगोन, कान्हा उर्फ विशाल पिता राधेश्याम यादव जाति अहिर उम्र 21 साल निवासी नवलवुरा बडवानी एवं प्रेम उर्फ जाडिया पिता संजय जाधव जाति बरगुण्डा उम्र 19 साल निवासी नवलपुरा बडवानी को गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान नुविभागीय अधिकारी पुलिस खरगोन राकेश मोहन शुक्ला के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोतवाली खरगोन निरीक्षक बी.एल. मण्डलोई के नेतृत्व मे सउनि अरशद खान, प्रआर मनोज कुशवाह, प्रआर मनमोहन, आर.संतोष शुक्ला, श्याम पंवार, रामसेवंक गुर्जर, एवं अभिलाष डोगरे (पुलिस अधीक्षक कार्यालय खरगोन) व अन्य थाना स्टाफ की सराहनीय योगदान रहा।

खाद की कालाबाजारी हुई तो राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत होगी कार्यवाही

कृषि विभाग के अमले को निगरानी करने के सख्त निर्देश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कृषि विभाग के उपसंचालक एमएल चौहान से कहा कि, जिले में कही भी खाद की कालाबाजारी की शिकायत हुई तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। विभाग के अमले को तुरंत सक्रिय कर दे खाद की कालाबाजारी के मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही होगी। बुधवार को कलेक्टर श्री कुमार भारत सरकार और मप्र शासन की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए यह निर्देश कृषि विभाग को दिए है। कलेक्टर श्री कुमार ने यूरिया खाद की उपलब्धता और अब तक खाद की कालाबाजारी करने वाले प्रकरणों की जानकारी ली। इस दौरान अन्य विभागों की योजनाओं की भी अपडेट जानकारी ली गई।

भुगतान के लिए प्रकरण तैयार रखे

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कुमार ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि हितग्राही मूलक योजनाओं के सीएम हेल्पलाईन पर लंबित शिकायतो में बजट वाले प्रकरण देखें। साथ ही ऐसे लंबित शिकायतों के प्रकरण बनाकर तैयार रखें बजट आते ही हितग्राही को भुगतान की स्थिति में होना चाहिए। ऐसे प्रकरण श्रम विभाग की संबल योजना और ओबीसी तथा जनजाति कार्य विभाग के प्रकरण लंबित है। बैठक में अपर कलेक्टर जेएस बघेल, जिला पंचायत सीइओ दिव्यांक सिंह व सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

ईवीएम में बंद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य, शांतिपूर्वक हुआ मतदान

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में दिखी खुशी की झलक

माही की गूंज, अलीराजपुर। इशाद मंसुरी

नगर निकाय निर्वाचन के तहत चॉक-चोबंद व्यवस्थाओं के बीच जिलेभर मे मंगलवार को छुट-पुट घटनाओ को छोड़कर मतदान शांतिपुर्ण रूप से संपन्न हुआ। इस दौरान शहरी क्षैत्र मतदाताओ मे मतदान को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। युवा एवं बुर्जुगो मतदान प्रक्रिया मे बढ-चढकर हिस्सा लिया। मतदाताओ ने वार्ड उम्मीदवारो के भाग्य का फेसला ईवीएम मशीन मे मत देकर बंद कर दिया। अब जनता-जर्नादन का जनादेश आगामी 30 सितंबर गुरुवार को आएंगा। मंगलवार शाम पांच बजे तक अलीराजपुर मे 67.4 प्रतिशत, जोबट मे 75.9 प्रतिशत एवं चंद्रशेखर आजाद नगर मे 75.9 प्रतिशत मतदान हुआ है। इधर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन मुस्तैद व सजंग रहा।

मतदान को लेकर लोगो मे रहा उत्साह

नगर के 18 वार्डो मे हुए चुनाव मे इस बार कुल 45 उम्मीदवार चुनावी मेदान मे थे। प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर कडी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्धारित समय अनुसार मतदान प्रारंभ हुआ। मतदाताओं में सुबह से मतदान को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा था। युवा, बुजुर्ग, महिला, दिव्यांग सभी ने बढ-चढकर मतदान में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सुबह-सुबह मतदान केंद्रो मे कुछ खास भीड नजर नही आई। सुबह 11 बजे बाद शहरी क्षैत्र के मतदाताओ मे मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें लगना प्रारंभ हो गई थी। सभी ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ लंबी-लंबी कतारें होने के बावजूद अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुंचे। स्थानिय बोरखड के मतदान केंद्र पर विधायक मुकेश पटेल एवं पुर्व नपाध्यक्ष व वार्ड क्रमांक 18 प्रत्याशी सेना महेश पटेल ने उत्साह के साथ मतदान किया। मतदान को लेकर कलेक्टर राघवेंद्रसिंह एवं एसपी मनोज कुमार सिह ने प्रत्येक मतदान केन्द्र की सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं तथा मतदान की स्थिति का जायजा लिया। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए प्रशासन द्वारा व्हील चैयर सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई थी।

पहली बार वोट डालने आए मतदातों में दिखा उत्साह

पहली बार वोट डालने पहुंची युवा मतदाता में काफी उत्साह देखा गया। इनके चेहरे पर एक ओर जहां वोट डालने का जुनून था तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र के विकास एवं बेहतर समाज का निर्माण करने का भरोसा दिलाने वाले प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित करने में था। युवा मतदाता ने बताया कि पहली बार प्रत्याशी को वोट देने पर काफी खुशी मिली। उन्होंने कहा कि वे ऐसे प्रत्याशी को वोट दिया है जो ईमानदार एवं कर्मठ के साथ व्यवहारिक हो। मतदान के बाद मुझे आत्म संतुष्टि मिली है।

हार-जीत को लेकर चौराहो पर चर्चाओ का दौर शुरु

उल्लेखनिय है कि, वार्ड प्रत्याषियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में बंद हो गया। आगामी 30 सितंबर को मतगणना के बाद प्रत्याशियों के हार-जीत का फैसला होगा। मतदान के बाद नगर निकाय चुनाव को लेकर चैराहो पर इन दिनो चर्चाऔ का दौर शुरू हो गया है। चाय कि दुकान हो या पान की दुकान या फिर हौ चैराहो हर तरफ चुनाव कि चर्चा चल रही है और वार्ड मे हार-जीत को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे है।

इसी बिच कांग्रेस-भाजपा सहित अन्य वार्ड प्रत्याशियो ने अपनी-अपनी जीत के दावे किए है। बहरहाल अफवाहो और चर्चाओ के बिच चुनावी उंट किस करवट बेठैगा यह तो आगामी 30 सितंबर को ही पता चलेंगा....? तब तक के लिए आप सब इंतजार किजिए...।

न बोर्ड, न संकेत चिह्न, धड़ल्ले से हो रही भारी वाहनों की हो रही एंट्री

प्रतिबंध के बाद भी भारी वाहनों का नगर में हो रहा प्रवेश, रोज लग रहा जाम

माही की गूंज, अलीराजपुर।

प्रतिबंध के बाद भी शहर की सड़कों पर भारी वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। खास बात तो यह है कि इन वाहनों को रोकने के लिए पुलिस ने बेरिकेड्स भी खड़े किए गए हैं। लेकिन वे इन्हें भी किनारे कर शहर के अंदर प्रवेश कर रहे हैं। भारी वाहनों के प्रवेश से शहर के अंदर ट्रैफिक जाम हो रहा है। लोगों को दो पहिया वाहन से निकलने में 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है। आश्चर्य की बात तो यह है कि ट्रैफिक प्वाइंटों के सामने से भारी वाहन प्रवेश कर रहे। शहर में सुबह 9 बजे से 6 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। बावजूद शहर की सड़कों पर दिन में ट्रैक्टर ट्रॉलियों के साथ छोटा हाथी जैसे लोडिंग वाहन दौड़ रहे हैं।

दिन भर होती है भारी वाहनों में लोडिंग-अनलोडिंग शहर में दिनभर मुख्य सड़क पर भारी वाहन खड़े होते हैं। इन वाहनों से दुकानदार दिनभर अनलोडिंग करते हैं। इन ट्रकों में सीमेंट व सरिया खाली किया जाता है। इससे सड़क पर जाम लगता है। इसके अलावा शहर में पार्किंग की व्यवस्था न होने से लोग अपने वाहनों को जहां जगह मिलती है वहीं खड़ा कर शॉपिंग करने चले जाते हैं।

खण्डवा-बड़ोदा हाइवे पर जाम की स्थिति

बात करे तो खण्डवा बड़ोदा हाइवे परआये दिन जाम की स्थिति बनी रहती हैं। बड़े-बड़े वाहन को बीच रोड़ पर पलटाया जाता है। साथ ही दुकानों के सामने बड़े बड़े वाहन खड़े कर देते है। जबकि यातायात पुलिस थाना पास में है। जबकि उक्त मार्ग से दिनभर प्रशासन के आला अधिकारियो का आवागमन होते रहता है। इस मार्ग से प्रतिदिन कलेक्टर, एसपी, जिपं सीईओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, सीएमएचओ, नपा सीएमओ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारियो का आवागमन होता है। अब सवाल यह उठता हैं। जब कलेक्टर साहब ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निर्देश दिये फिर भी इसका पालन नही किया जा रहा है।

कुछऐसे ही हालात इस सड़क पर रोजाना देखने को मिलते हैं। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से अधिकारियों को जिला सड़क सप्ताह की मीटिंग में बोर्ड व संकेत चिन्ह लगाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इससे ज्यादा समय बीतने के बाद भी अब तक बोर्ड व संकेत चिह्न नहीं लगे हैं। ऐसे में शहर के कई स्थानों पर भारी वाहनों के कारण लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं।

यह सोचने का विषय है...?

साथ ही इस मार्ग पर और पास में यातायात थाना होने पर भी कोई इस और ध्यान नही दे रहे ऐसा क्यों यह भी एक सोचने का विषय है...?

शहर में जाम की समस्या दिनों दिन विकराल रूप धारण कर रही है शहर के चारों तरफ जाम से लोग हलकान हैं। एक बड़े वाहन के सड़क पर लगते ही गाड़ियों की लंबी कतार लग जाती है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए लोग कहने लगे हैं कि शहर को जाम से निजात नहीं मिल सकती है।

घट तथा मूर्ति स्थापना के साथ शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ, सजा माता रानी का दरबार

माही की गूंज, आम्बुआ।

आदि शक्ति, भवानी, दुर्गा, अंबे माता आदि नौ देवियां की भक्ति के 9 दिनों की शुरुआत 26 सितंबर को माता दरबार तथा सार्वजनिक गरबा पंडालों में घट स्थापना तथा माताजी मूर्तियों की स्थापना के हुई। प्रथम दिवस मंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटी शाम को गरबा रास का आयोजन होंगे।

हमारे आम्बुआ संवाददाता के अनुसार श्राद्ध पक्ष समाप्त के बाद मां भवानी के नौ रूपों की पूजा आराधना करने के लिए शारदीय नवरात्रि का हिंदू सनातन धर्म में आदि काल से चला आ रहा है। इसी क्रम में इस बार शारदीय नवरात्रि आज 26 सितंबर से आम्बुआ में अंबे माता मंदिर (टेकरी वाली), मेलडी माता मंदिर, बिजासन माता (इंदिरा आवास) तथा अंबे माता मंदिर (शंकर मंदिर प्रांगण) के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी माता जी की प्रतिमाओं की स्थापना कर प्रतिदिन पूजा अर्चना के साथ रात में गरबा-डांडिया रास का आयोजन 9 दिनों तक किया जाएगा। शक्ति उपासना हेतु माता रानी के दरबार को भव्य रूप में सजाए गए हैं।

थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक हुई संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ। आम्बुआ थाना प्रांगण में त्यौहारों के मद्देनजर शांति समिति के सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें आगामी सभी त्योहार आपसी भाईचारे एवं शांति के साथ मनाए जाने पर चर्चा की गई।

आम्बुआ थाना प्रांगण पर एएसआई राम बचन पांडेय तथा शिवपाल सिंह द्वारा शांति समिति की बैठक की गई। जिसमें नवरात्रि, दशहरा तथा त्योहारों को शांति पूर्वक तथा आपसी भाईचारे के साथ बनाए जाने पर चर्चा की गई। बैठक में सरपंच रमेश रावत, उपसरपंच थानसिंह भयडिया, वैभव जाधव, सुनील चौहान, मुस्लिम पंच कमेटी सदर चांद मोहम्मद मकरानी, मुफज्जल भाई, हासिम अली, अमान पठान, कालूसिंह भयडिया ठेकेदार, रोहित क्षीरसागर, गौरव राठौड़, सारिक आदि उपस्थित रहे।

चांद दिखा, नबी का पैदाइशी महीना शुरू, 9 को जश्ने ईद मिलादुन्नबी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

रबीउल अव्वल का चांद देखे जाने का ऐलान हो गया। लोगों ने घरों व छतों पर इस्लामी परचम लगाया। मंगलवार को चांद की पहली तारीख और 9 अक्टूबर को नबी की यौमे पैदाइश यानी जश्ने ईद मिलादुन्नबी मनाया जाएगा। मंगलवार को चांद का दीदार होते ही मुस्लिम बंधुओं ने घरों व छतों पर इस्लामी परचम लगाया। पहली ही तारीख से इस्लामी परचम घरों व मस्जिदों को सजाने में लगे रहे। चांद दिखते ही मुबारकबाद का दौर चाँद के दीदार के साथ ही वाट्सएप, फेसबुक पर चाँद की मुबारकबाद देने का दौर तेज हो गया। चिस्तिया ग्रुप द्वारा बहारपुरा मोहल्ले को सजाया जा रहा है। साथ ही ईद को लेकर कई प्रोग्राम किये जायेंगे नबी के पैदाइशी महीना होने की वजह से भी इस महीने की बड़ी फजीलत है। 12 रबीउल अव्वल को इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद स. बीबी अमीना के घर अरब की सरजमी पर पैदा हुए थे। उनके आने की खुशी पूरी दुनिया में ईद मिलादुन्नबी के रूप में मनाया जाता है। यह पाक त्यौहार दुनिया के हर हिस्से में जोश-ओ-खरोश के साथ मनाया जाता है।

6 थानो मे ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क का किया गया शुभारम्भ

विशेष जन जागरूकता चेतना अभियान 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में संपूर्ण जिले मानव दुर्व्यापार के अपराधों की रोकथाम हेतु 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक अलीराजपुर पुलिस द्वारा विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना चलाया जाएगा।

अभियान के उद्देश्य

इस विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना के तहत मानव दुर्व्यापार की रोकथाम एवं शोषित वर्ग विशेषकर महिला एवं बच्चों को समाज के केन्द्र बिन्दु में लाना। जनसमुदाय को मानव दुर्व्यापार एवं महिलाओं को लेकर समाज में व्याप्त कुप्रथाओं एवं कुरीतियों के प्रति जागरूक करना। मानव दुर्व्यापार के सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना। मानव दुर्व्यापार एवं महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम में समाज की सकारात्मक भूमिका निर्वहन हेतु प्रोत्साहन।मानव दुर्व्यापार की रोकथाम के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न हितधारकों को साथ जोडकर प्रभावी कार्यवाही।

अभियान चेतना के दौरान प्रस्तावित गतिविधियां

नवरात्रि के प्रथम 3 दिवस तक शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से समस्त शैक्षणिक संस्थानों में स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेन्टर, यूनिवर्सिटी आदि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिसमें पोस्टर्स, हेल्प लाईन नंबर के पम्पलेट का वितरण एवं लघु फिल्म-असली हीरो, सुनहरे पंख का प्रदर्शन कराया जायेगा। दुर्गा उत्सव के पंडालों में पोस्टर्स को वृहद स्तर पर चस्पा किए जायेंगे, साथ ही गरबा आयोजन में लघु फिल्म असली हीरो, सुनहरे पंख का प्रदर्शन किया जावेगा। सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को पंडालों पर आयोजित फैन्सी डैस प्रतियागिता में बच्चियों को शक्ति के आधुनिक 8 अवतार के रूप में ''नारी तुम केवल शक्ति हो'' का स्लोगन दिया जाकर पुरूस्कृत किया जाएगा।

सक्रिय अशासकीय संगठन एनजीओ आदि से समन्वय कर नुक्कड नाटक का आयोजन लोक परिवहन में प्रचार-प्रसार सामग्री चस्पा एवं जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन, जिसमें पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, पेटिंग, वाद-विवाद, निबंध, रंगोली, मेहंदी आदि। परिवहन विभाग के सहयोग से वाहन चालकों एवं कंडक्टरों को महिला/बच्चियों संबंधी अपराधों एवं मानव दुर्व्यापार जैसे गंभीर अपराधों के प्रति संवेदनशीलता बनाना। जन जागरूकता अभियान चेतना के दौरान उपस्थित समुदाय से महिला/बच्चियों पर होनें वाले अपराधों की रोकथाम में सहयोग हेतु शपथ भी दिलवाई जाएगी।

6 थानों में महिला उर्जा हेल्प डेस्क की हुई स्थापना

इसी अवसर पर जिले के 6 थानों, जिसमें थाना चांदपुर, कटिठवाडा, बखतगढ, आम्बुआ, उदयगढ एवं सोण्डवा में महिला उर्जा हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। इस प्रकार जिले के 10 थानों में महिला उर्जा हेल्प डेस्क स्थापित हो चुके हैं। महिला ऊर्जा हेल्प डेस्क के शुभारंभ स्कूल छात्राओं को बुलवाया गया तथा छात्राओं से ही रिबन कटवाकर ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया एवम महिला संबंधी सभी प्रकार के अपराधो के बारे में जानकारी दी व किस प्रकार अपराधो से बचे इस बारे में बताया गया। शुभारंभ अवसर पर स्कूली छात्राएं, शिक्षकगण, ऊर्जा महिला डेस्क प्रभारी एवं संबंधीत थानें का स्टॉफ मौजूद रहा।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार विशेष जन जागरूकता अभियान चेतना जिलें के सभी थानों में वृहदस्तर पर चलाया जाएगा। अलीराजपुर पुलिस का विशेष प्रयास रहेगा कि इस दौरान अधिक से अधिक लोगों को जोडा जाए व जागरूता का प्रयास किया जाए। साथ ही इसी अवसर पर आज जिल के 6 थानों में महिला उर्जा हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। शीघ्र ही शेष 2 थानों सोरवा एवं बोरी में भी महिला उर्जा हेल्प डेस्क की स्थापना की जाएगी।

गजब की नेतागिरी....

कांग्रेसी उपसरपंच की मौजूदगी में नई एम्बुलेंस के फीता काटने पर दर्ज करवाई आपत्ति

उपसरपंच का आरोप भाजपा नेताओं के विरोध के बाद मेडिकल अधिकारी ने वापस भेजी एम्बुलेंस

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस में भाजपा नेताओं को उद्घाटन में नही बुलाने का लिखकर खुद दे रहे घटिया मानसिकता का परिचय

माही की गूंज, पेटलावद/सारंगी।

नगर सहित पूरे क्षेत्र के मरीज़ों को मिली कोई सौगात राजनीतिक विरोध और घटिया मानसिकता के चलते वापस लौट जाए, तो उस नगर के विकास का भगवान ही मालिक है। नगर के स्वास्थ्य केंद्र के लिए शासन ने पिछले दिनों एक एम्बुलेंस भेजी, जिसकी क्षेत्र को आवश्यकता थी। एम्बुलेंस के आने के बाद उसके उद्घाटन को लेकर ऐसा भाजपा-कांग्रेस हुआ कि एम्बुलेंस को वापस झाबुआ भेज दिया गया।

मामला यू हुआ की सारंगी स्वास्थ्य केंद्र में शासन की और से एम्बुलेंस भेजी गई थी। जब एम्बुलेंस अस्पताल पहुची, मेडिकल अधिकारी अस्पताल में नही थे। उपसरपंच की माने तो एम्बुलेंस के ड्राइवर की सूचना के बाद ग्राम पंचायत के सरपंच फूंदीबाई और भाजपा समर्थित 5 पंच और उपसरपंच ने एम्बुलेंस का उद्घाटन किया और फ़ोटो सोशल मीडिया पर डाल दिये। बताया जा रहा है फ़ोटो देखने के बाद क्षेत्र के भाजपाई नेताओ ने आपत्ति दर्ज करवाई और जिसके बाद एम्बुलेंस को वापस भेज दी गई। उपसरपंच रणजीत सिंह का आरोप है कि, भाजपा नेताओं की घटिया मानसिकता का परिचय देते हुए क्षेत्र से सुविधा छीनने की कोशिश की है। उपसरपंच ने बताया कि, सारंगी स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल अधिकारी बता रहे है कि एम्बुलेंस यही है पर कही दिखाई नही दे रही।

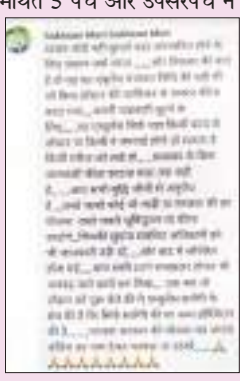

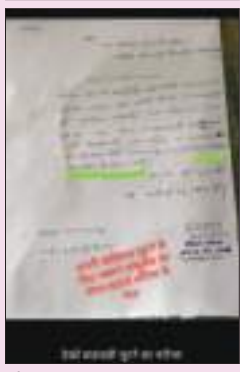

सोशल मीडिया की पोस्ट पर भाजपा नेताओं ने दिखाया असली चेहरा, भाजपा के जनप्रतिनिधियों को बुलाने की बात कही

कांग्रेसी उपसरपंच द्वारा एम्बुलेंस उद्घाटन को लेकर हुए भाजपाई विरोध के बाद सारंगी उपसरपंच रणजीतसिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगो को बताया कि, वो कांग्रेस के नेता है और एम्बुलेंस के उद्घाटन में एक जनप्रतिनिधियों के रूप में सारँगी की भाजपाई सरपंच फूंदीबाई और भाजपा के ही पांच पंचो के साथ जा कर उद्घाटन किया था। इससे पूर्व भी कई कामो का उद्घाटन भाजपा की सरपंच के साथ कांग्रेस के नेता कर चुके है लेकिन भाजपा के नेताओं ने घटिया मानसिकता का परिचय देते हुए मेडिकल ऑफिसर पर दबाव बनाकर एम्बुलेंस वापस करवा दी। पोस्ट पर कई भाजपा नेताओं की हरकतो की फजीयत हुई हैं। वही कई भाजपा नेताओं ने एम्बुलेंस के उद्घाटन को लेकर स्थानीय भाजपा नेताओं को नही बुलाने का लिखकर खुलकर ये जताने की कोशिश की है कि वो उद्घाटन में कांग्रेसी उपसरपंच के शामिल होने से नाराज़ है और यहां तक बोल गए कि, कांग्रेस के नेता भाजपा की योजनाओं पर अपना स्टीकर लगाने की कोशिश कर रहे है। उपसरपंच को एक और सारंगी के मेडिकल ऑफिसर कह रहे है कि, एम्बुलेंस यही है। वही दूसरी और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर एमएल चौपड़ा ने भी एम्बुलेंस के उद्घाटन को लेकर कुछ आपत्ति की बात सामने आई है, हालांकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि एम्बुलेंस झाबुआ भेजी गई है लेकिन उसको भेजने का कारण भी उन्होंने खराब होना बताया। पूरे मामले में भाजपा नेताओं की भारी फजीयत हुई है।

भव्य जुलूस के साथ हुई घट स्थापना

योगी आदित्यनाथ के डुप्लीकेट, महेश्वर के ढोल, कड़ाबिन तोप के साथ निकला चल समारोह

माही की गूंज, बामनिया।

ग्राम के मुख्य चौराहे पर स्थिति माँ अंबिका मन्दिर की नवयुवक नवदुर्गा महोत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य चल समारोह के साथ नवरात्रि के खम्भ की स्थापना की गई। चल समारोह में विशेष आकर्षण बनाने के लिए कई प्रकार के आयोजन किये गए। जिसमे सबसे ज्यादा आकर्षक का केंद रही ग्राम की महिलाएं जो एक जैसी वेषभूषा में सर पर पगड़ी बांधकर चल समारोह में शामिल हुई। चल समारोह को आकर्षक बनाने के लिए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डुप्लीकेट, उज्जैन की कदाबिन तोप, महेश्वर के ढोल, बग्गी, बेंड, डीजी और चल समारोह के आगे 5 घोड़े पर सवार युवाओं व छोटी-छोटी बालिकाओं ने सर पर कलश उठाकर पूरे नगर में भ्रमण किया। मुख्य चौराहे से शुरू हुआ चल समारोह पूरे नगर में भ्रमण कर अमरगढ़ रोड स्थित राम मंदिर पहुचा जहां से माता जी का खम्भ लेकर माता जी मन्दिर पहुचकर खम्भ की स्थापना सोमवार को की गई। इस दौरान चल समारोह का जगह- जगह स्वागत किया गया।

इंडियन आइडल फेम के कलाकार देगे 9 दिन प्रस्तुति

मुख्य चौराहे पर होने वाले गरबे काफी प्रसिद्ध है और ग्राम सहित आसपास के गाव से बड़ी संख्या में लोग यहां विशेष गरबे देखने के लिए आते है। इस बार पांडाल में धूम मचाने के लिये इंडियन आइडल फेम के गोविंद गंधर्व के साथ पूजा जोशी एंड ऑर्केस्ट्रा पार्टी अपनी प्रस्तुति 9 दिन तक देगे। रात 9 बजे और रात बारह बजे महाप्रसादी का आयोजन भी प्रतिदिन किया जा रहा है।

लेट्रिंग तक का रुपया खाने वाले भ्रष्टों के विरूद्ध हुई कार्रवाई या जनसेवा के नाम पर ढकोसला कर भ्रष्टाचार को देंगे बढ़ावा

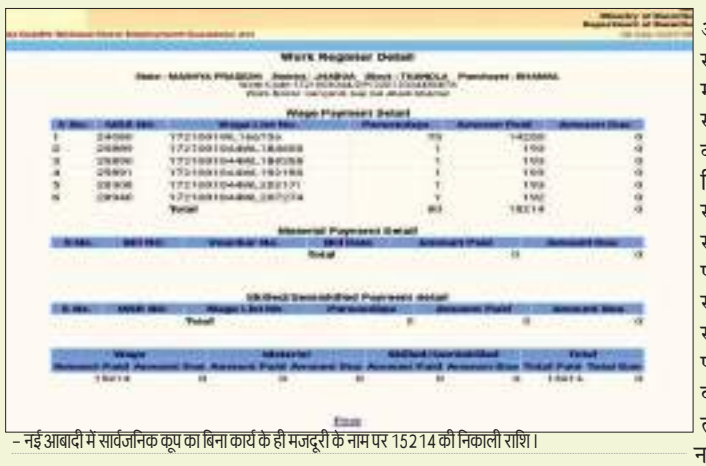

- नई आबादी में सार्वजनिक कूप का बिना कार्य के ही मजदूरी के नाम पर 15214 की निकाली राशि।

माही की गूंज भामल। नारायण पालरा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 2023 की विधानसभा चुनाव की तैयारी के साथ प्रदेश में वर्तमान में हुए 46 नगर निकाय चुनावों में भाजपा पार्षद उम्मीदवारों के पक्ष में करीब- करीब प्रत्येक जगह प्रचार करने हेतु पहुंचे। वही अपनी चुनावी संबोधन के साथ नायक फिल्म की तरह अपनी नायकी ट्रेलर बताते हुए डिंडोरी में जिला खाद्य अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। इसी तरह झाबुआ जिले की बात करे तो यहां भी एसपी अरविंद तिवारी को सस्पेंड तो, कलेक्टर सोमेश मिश्रा की कलेक्ट्री छीन शिवराज सिंह चौहान भोपाल ले गए। वर्तमान में प्रचार के दौरान प्रत्येक मंचों पर शिवराज सिंह चौहान गलत कार्य करने वाले को नहीं छोड़ूंगा कहा तथा मुख्यमंत्री जनसेवा शिविर के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्तियों को शासन की प्रत्येक सुविधा देने के साथ शिविर में आई प्रत्येक शिकायतों का निवारण किए जाने की बात अपनी नायकी ट्रेलर दिखाते हुए कहा है।

कमलनाथ सरकार ने भी किसी तरह की योजना सरकार आपके द्वार अभियान चलाया था। जिसके तहत जिले के खवासा में प्रथम सरकार आपके द्वार का शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें तात्कालिक मंत्री हनी बघेल मुख्य रूप से उपस्थित हुए थे। उक्त शिविर में मंच पर जाकर मंत्री जी को कई लोगों ने अपनी समस्या बताई जिसने एक जैसा मुद्दा भाजपा सरकार के समय में हुआ था जिसमें आदिम जाति सहकारी संस्था में जो कभी आकर उपस्थित नहीं आए थे, उसके नाम से फर्जी हस्ताक्षर के साथ खाता खोल राशि आहरण कर ली गई और कमलनाथ सरकार में कर्ज माफी के साथ उक्त खुलासा होने पर कार्रवाई हेतु शिकायत नए समाचार पत्रों के साथ की गई थी, परंतु कमलनाथ सरकार के जाने के साथ ही उक्त फर्जीवाड़ा करने वाले भ्रष्टों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब भाजपा की शिवराज सरकार जन सेवा शिविर आयोजित कर समस्याओं एवं भ्रष्टाचार करने वाले के विरुद्ध शिविर के माध्यम से तत्काल कार्रवाई के साथ कार्य करने का दावा किया जा रहा है। इसी तारतम्य में थांदला जनपद के खवासा टप्पा तहसील क्षेत्र के ग्राम भामल में 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर का आयोजन किया जाना है।

क्या होगी पंचायत के इन भ्रष्ट नुमाइदो के खिलाफ कार्रवाई...?

भामल की ही बात करें तो यहां की नवनिर्वाचित सरपंच व नए नियुक्त हुए सचिव ने अभी तक चार्ज नहीं लिया कारण यह की पुराने सचिव दरियावरसिंह व सरपंच बदी बाई डामर के पति नागु ने करीब 7 साल पत्नी के स्थान पर सरपंचगिरी की। वही फर्जी हस्ताक्षर भी कई दस्तावेजो पर नागु के द्वारा अपनी सरपंच पत्नी के स्थान पर अपने हस्ताक्षर किए और विकास कार्यों के नाम पर पंचायत भवन का रिपेयरिंग कार्य में बिना कार्य किए राशि को आहरण किया गया। मांगलिक भवन, इसका बिना कार्य शुरू किए ही राशि का आहरण फर्जी बिल लगाकर किया गया था।

जिसका माही की गूंज के खुलासे के बाद कार्य तो शुरू किया परंतु 17 लाख के भवन व 3 लाख की बाउंड्रीवाल में भवन का 40 से 50 प्रतिशत कार्य हुआ, वही बाउंड्रीवाल का कार्य धरातल पर हुआ ही नहीं बावजूद बाउंड्रीवाल बनाने के नाम पर ईटों आदि अन्य का बिल के साथ 16 लाख रुपए के करीब की राशि आहरण कर ली गई। भामल से रूपापाड़ा सुदूर सड़क, करीब 7 लाख जहां डेढ से 2 लाख रुपए का मोरम कार्य का डलवा कर करीब 7 लाख की राशि आहरण कर ली गई।

बाजना मार्ग पर 8 लाख का खेल मैदान जहां समतलीकरण व खेल मैदान बनाने के नाम पर बिना कुछ कार्य किए ही राशी आहरण कर ली गई। वही सार्वजनिक कूप नई आबादी के नाम पर भी कार्य को मस्टर में चढ़ाकर अपने चहतों के जॉब कार्ड चढ़ाकर मजदूरों के नाम पर बिना किसी सार्वजनिक कुप के कार्य से राशी आहरण कर ली गई। इतना ही नहीं वडलीपाड़ा में बनाए गए सार्वजनिक शौचालय जिसमें बाहरी रंग-रोगन कर ताला लगा दिया जबकि अंदर न ही टाइल्स लगी और ना ही लैट्रिंग की सीट लगी और टाइल्स और लैट्रिंग की सीट तक के पैसे आहरण कर खा गए। आदि ऐसे कई कार्य धरातल पर नहीं वरन इंजीनियर के मुध्याकन के साथ फर्जीवाड़ा कर राशि आहरण कर ली गई और धरातल पर कार्य नहीं होने के चलते हैं नवनिर्वाचित सरपंच ममता बहादुर चरपोटा व नए पदस्थ सचिव लालचंद्र कटारा ने केशबुक के साथ कोई चार्ज नहीं लिया गया। वही रूपापाड़ा में नल-जल योजना के नाम पर 25 लाख रुपए खर्च होने के बाद भी भ्रष्ट कार्य में नल तो जमीन के ऊपर करीब-करीब दिख रहे पर उन नलों में एक दिन भी पानी नहीं आया।

क्या भामल में पंचायत के नुमाइंदे और पीएचई विभाग द्वारा करवाये गई कार्य में यहां तक की लैट्रिंग तक के पैसे आहरण कर खा गये। ऐसे भ्रष्टों के विरुद्ध मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर में 6 अक्टूबर को इनके विरूद्ध जिला प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई की जाएगी या भ्रष्टाचार की बहती गंगा को अनवरत बहने दिया जाएगा। यह भामन एवं क्षेत्र की जनता शिविर के माध्यम से देखने को इच्छुक हो रहे हैं।

- सार्वजनिक शौचलाय में लेट्रिंग की सीट व टाइल्स बिना लगाए ही फर्जी बिल बना कर राशि की आहरण।

- सामुदायिक भवन की बाउंड्रीवाल नही बनाई और ईट व अन्य फर्जी बिल लगाकर भ्रष्टो ने की राशि आहरण।

नगरीय निकाय चुनावों को लेकर जिले में मतदान संपन्न, जिला मुख्यालय पर रहा सबसे कम मतदान का प्रतिशत

जिले की तीन नगर परिषदों में जमकर हुआ मतदान, प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा 30 सितम्बर को खुलेगा

माही की गूंज, झाबुआ।

नगरीय निकाय चुनावों की घोषणा के बाद लगभग एक महीने से चल उठापटक मंगलवार को मतदान के बाद शांत हो चुकी है। मतदाता अपने काम को अंजाम दे चुका है और अब प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 30 सितम्बर को सामने आएगा। जिला मुख्यालय पर छुट-पुट घटनाओं के साथ मतदान लगभग शांतिपूर्ण ही रहा। मतदान संपन्न करवाने में प्रशासन की अहम भूमिका दिखाई दी। मंगलवार को मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ। जिला मुख्यालय पर इसकी रफ्तार शुरूआती समय में सुस्त देखी गई। जैसे-जैसे समय गुजरता गया मतदान की रफ्तार भी बढ़ी। शाम 5 बजे तक जिले की चारों नगरीय निकायों में मतदान का प्रतिशत 69.46 रहा। जिसमें सबसे कम झाबुआ नगरीय निकाय का मतदान प्रतिशत 61.84 रहा। वहीं सबसे अधिक मतदान पेटलावद नगर निकाय में देखने को मिला। यहां मतदान प्रतिशत शाम 5 बजे तक 78.20 रहा। इसके अलावा राणापुर 76.23 प्रतिशत तथा थांदला 75.12 प्रतिशत मतदान शाम 5 बजे तक किया गया।

जिला मुख्यालय की नगरपालिका के लिए 34 मतदान बूथ बनाए गए थे। झाबुआ नगरपालिका में मतदाताओं की संख्या 30,827 है। जिसमें पुरूष 15,465 और महिला 15,358 है। 18 वार्ड की इस नगरपालिका में 62 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे है। मगर चिंता की बात यह है कि 27 सितम्बर को हुए मतदान में जिले में सबसे कम मतदान जिला मुख्यालय पर ही हुआ है। मतदान प्रतिशत का यह कम आंकड़ा किसे नुकसान पहुंचाएगा और किसे फायदा, यह तो समय के गर्त में है। 30 सितम्बर को परिणामों की घोषणा के साथ ही सारी अटकलें खत्म हो जाएगी। मतदान को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया है। कलेक्टर रजनीसिंह सहित सभी जिला अधिकारी लगातार मतदान केंद्रों की मानिटरिंग करते रहे। जिलें भर में कहीं से किसी बड़े विवाद की कोई घटना सामने नहीं आई है। जिला मुख्यालय पर जरूर छुटपुट मामले सामने आए लेकिन पुलिस बल व जिला प्रशासन ने मिलकर तुरंत स्थिति को अपने काबू में कर लिया।

जिला मुख्यालय पर कम वोटिंग के मायने

पूरे जिले में तीन नगरपरिषदों व एक नगरपालिका के लिए 27 सितम्बर को मतदान संपन्न हुआ। लेकिन जिला मुख्यालय की नगरपालिका के लिए हुए मतदान का प्रतिशत जिले की बाकी निकायों से काफी कम रहा है। जबकि जिला मुख्यालय होने के चलते यहां मतदाताओं का आंकड़ा जिले की तीनों नगर निकाय के मुकाबले काफी अधिक है या यह कहा जाए कि, दोगुना से भी ज्यादा है। बावजूद इसके यहां मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा है। हालांकि जिले का मतदान प्रतिशत हमेशा से ही 50 से 80 प्रतिशत के बीच ही रहा है। मतदान के कम प्रतिशत को लेकर कई अटकले लगाई जा रही है। राजनीतिक पार्टियों के अपने गणित है तो आमजन का अपना अलग ही मत। यहां राजनीतिक समीकरण कुछ भी हो लेकिन आमजन की माने तो 18 वार्डों में 62 प्रत्याशियों का होना भी एक कारण है। हर वार्ड में प्रत्याशियों की संख्या अधिक होने के चलते मतदाता कसमकस में दिखाई दिया कि, मतदान किसके पक्ष में किया जाए। इसी असमंजस के चलते शायद कई लोगों ने अपने मत का उपयोग ही नहीं किया। दूसरा कारण यह भी बताया जा रहा है कि, जनता ने नगरपालिका की कमान दोनों ही राजनीतिक दलों को देकर देख ली है, मगर नतीजा सिफर ही नजर आया है। नगरपालिका का इतिहास भ्रष्टाचार से भरा पड़ा है। आमजन की जुबानी जो कारण सामने आए है वे कई हद तक मायने भी रखते है। लेकिन मतदान न करना समस्या का समाधान नहीं है, आपका किया हुआ मतदान ही परिवर्तन ला सकता है।

जिले की तीन नगर परिषदों में जमकर हुआ मतदान

जिला मुख्यालय को छोड़ दें तो जिले की बची हुई तीनों नगर निकाय में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला है। तीनों नगर निकाय थांदला, रानापुर और पेटलावद में मतदान 75 प्रतिशत से अधिक ही रहा। जिसमें सबसे अधिक मतदान पेटलावद नगर निकाय के लिए हुआ। यहां 78.20 प्रतिशत मतदाताओं ने नगर निकाय सरकार चुनने के लिए मतदान किया। हालांकि यह तीनों नगर परिषद 15-15 वार्ड की होकर यहां की मतदाता संख्या भी जिला मुख्यालय से काफी कम है। बावजूद इसके यहां मतदाताओं ने अच्छा उत्साह दिखाते हुए मतदान किया है। जिले में नगरीय निकाय को लेकर हुई सारी उठा पटक का परिणाम 30 सितम्बर को सामने आ जाएगा। मगर अभी यह देखना दिलचस्प होगा कि, जिले की चार नगरीय निकायों में ऊंट किस करवट बैठता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422